2025 नव वर्ष हार्दिक शुभकामनाएं की

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग

सांध्य दैनिक

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

मथुरा से प्रकाशित

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety BY MR GROUP Presents Unique Samay Update uniquesamay.com

वर्ष-2 | अंक-672 | मथुरा, मंगलवार, 31 दिसंबर 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | wwwÜfacebookÜcom/uniquesamay | twitterÜcom/Theuniquesamay | wwwÜlinkedinÜcom/in/uniquesamay

2025 नव वर्ष हार्दिक की शुभकामनाएं
यूनीकॉम एडवरटाइजिंग
सांध्य दैनिक
प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित
RNI-UPHIN/2023/85053
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-2 | अंक-672 | मथुरा, मंगलवार, 31 दिसंबर 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

नए साल में लिखेंगे मिलकर नयी कहानी....

2025 में नए लक्ष्य का लेंगे संकल्प

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 31 दिसंबर की रात्रि को ठीक 12 बजे घड़ी की सुई ठीक 12 बजे का संकेत देगी तो वर्ष 2024 विदा हो जाएगा और नया वर्ष 2025 आ जाएगा। नए साल का स्वागत करने के साथ लोग नए लक्ष्य को आगे बढ़ने का संकल्प लेंगे। दैनिक समाचार पत्र यूनिक

जश्न मनाने की तैयारी में जुटे लोग, चलेगी आतिशबाजी

समय आज रात्रि को पाठकों तक पहुंचेगा, उसके कुछ ही घंटों बाद नए साल 2025 का आगमन हो जाएगा। नए साल के स्वागत की तैयारियों में लोग जुट गए हैं। कोई होटल में अपने दोस्तों के साथ नये साल का जश्न मनाएगा तो कोई अपने घर में रहकर परिवार के साथ नए साल की खुशियों को सेलिब्रेट करेगा। कोई दीवाली पर बचाकर रखी आतिशबाजी को चलाकर नए साल का स्वागत करेगा। युवा पीढ़ी भी नए साल में कदम रखने के साथ ही नए लक्ष्य को पूरा करने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ेगी। वह नया बीतने के साथ कुछ ऐसा नया काम करने की सोच रही है कि परिवार वाले ही नहीं रिश्तेदार और आसपास के लोग उनकी वाहवाही करें। बिजनेस मैन भी अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए लक्ष्य तय कर रहे हैं कि नए साल में उनका टर्नओवर पिछले रिकॉर्ड को तोड़ कर नए आयाम स्थापित करे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पहुंचे श्रद्धालु

दर्शन को प्रतीक्षा करते दिखे दर्शनार्थी

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सामने श्रद्धालुओं की दर्शन को लगी लाइन।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण की नगरी में श्रद्धालुओं की लाइन अपने आराध्य देव देवकीनंदन व द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन के लिए मंगलवार को लगी रही। सभी श्रद्धालुओं को जन्मस्थान के अंदर पूरी चेकिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों में प्रवेश कराया गया। वहीं श्रद्धालुओं के चलते शहर में आज जाम देखने को नहीं मिला। श्रीकृष्ण

सुरक्षा की दृष्टि से चेकिंग करके ही मंदिर के अंदर जाने दिया

जन्म स्थान के दर्शन के लिए जो श्रद्धालु सामान या बैग आदि लेकर पहुंचे, उनको काफी परेशानी हुई। उन्होंने जैसे तैसे सामान को इधर उधर रखा। या जन्मस्थान के सामान घर में रखना पड़ा। श्रद्धालुओं के साथी ही अपने सामान का इंतजार करते रहे। दूसरी तरफ छत्ता बाजार में स्थित द्वारकाधीश मंदिर में द्वारकानाथ प्रभु के दर्शन को शाम को श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। वहीं यमुना किनारे यमुना की पूजा करने के लिए सुबह श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

वृंदावन में यातायात व्यवस्था ध्वस्त प्रतिबंधित वाहन शहर में कैसे घुसे

यूनिक समय, वृंदावन। साल 2024 के आखिरी दिन ऐसा जाम लगेगा। किसी ने सोचा नहीं था। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुरानी व्यवस्था को नए सिरे से मीडिया को जारी कर दिया। कोई खास तबदीली नहीं की। पुलिस ने बाहर से आने वालों को जगह–जगह लगाए बैरियरों पर रोका और निश्चित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया। फिर बड़ी संख्या में चार पहिया वाहन मंदिरों की नगरी में घुस गए। ऐसे वाहनों ने ऐसे रास्ते रोके कि पुलिस कर्मी खुद ही चकर घिन्नी बन गए। मशक्कत करते हुए वाहनों को निकलवाते नजर आए। हैरानी की बात तो यह है कि बड़े वाहनों पर शहर में घुसने पर प्रतिबंध लगा था तो वह घुसे कैसे।

सोने और चांदी की बढ़ी कीमतों के लिए साल 2024 याद रहेगा

यूनिक समय, मथुरा। सोने और चांदी की कीमतों को लेकर लोगों को याद रहेगा वर्ष 2024। इस साल सोने और चांदी की कीमतों में इतना इजाफा हुआ कि गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को परेशानी में डाल दिया। किसी ने सोचा नहीं था कि सोने और चांदी की कीमत इतनी बढ़ जाएंगी। हां, इतना जरूर रहा कि निवेश करने वालों को वर्ष 2024 फायदा जरूर करा गया। आने वाले समय में ऐसे ही कुछ संकेत मिल रहे हैं कि वर्ष 2025 में सोने और चांदी की कीमत नए रिकॉर्ड की ओर अपनी चमक बनाएं रखेंगी।

संकल्प

ठंड और गलन की चिंता नहीं

हमारे सिर पर बांकेबिहारी का जुनून

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मन में श्रद्धा, जुबान पर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज की जय। ठंड की चिंता नहीं। बस भक्ति में डूबे श्रद्धालु अपने कदम आगे बढ़ाते हुए मंदिर की ओर बढ़े चले आ रहे थे। स्थिति यह थी कि गलन के बीच बड़ी संख्या में भक्तों ने पट खुलने से पहले ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के गेट नंबर दो और तीन पर डेरा डाल लिया। चबूतरा पर संकीर्तन करते हुए ठाकुर बांकेबिहारी महाराज का गुणगान करने लगे। श्रृंगार आरती के लिए पट खुले तो श्रद्धालुओं का रेला मंदिर में धक्का मुक्की करते घुसा। एक बार तो भीड़ अनियंत्रित सी होती दिखी, लेकिन कुछ देर में मंदिर के आंगन तक श्रद्धालुओं के पहुंचने पर सब कुछ सामान्य सा होता नजर आया। फिर घड़ी की सुइयों के

मंदिरों में भीड़ ही भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। साल का आखिरी दिन और नए साल का पहला दिन ठाकुरजी की शरण में बिताने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच गए। श्रद्धालुओं ने ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के अलावा मां कात्यायनी मंदिर, ठाकुर राधा बल्लभ लाल मंदिर, ठाकुर राधारमण मंदिर, राधादामोदर मंदिर, राधा श्याम सुंदर, निधिवनराज मंदिर, सेवा कुंज मंदिर, गोविंद देव मंदिर, रंगजी मंदिर, प्रेम मंदिर, श्रीकृष्ण बलराम इस्कान मंदिर, चंद्रोदय मंदिर, मां वैष्णो देवी मंदिर, पागल बाबा मंदिर एवं छटीकरा स्थित गरुड़ देव मंदिर समेत अन्य मंदिरों में जाकर दर्शन किए। साथ में यमुना महारानी की पूजा अर्चना की।

एक बार दर्शन हो जाएं फिर हम घर लौट जाएं

दर्शनार्थियों की भीड़ कल उमड़ेगी

आगे बढ़ने के साथ दोपहर को राज भोग आरती के समय भीड़ का दबाव रहा। एक बजे पट बंद होने के बाद मंदिर का चबूतरा और मंदिर के रास्ते खाली नजर आए तो सायं 4.30 बजे फिर से मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ का उमड़ना शुरू हो गया।

गेट बंद कॉलोनी में चोरों ने दिया बड़ी वारदात को अंजाम

शिवासा एस्टेट में दिनदहाड़े हुई करोड़ों की चोरी

शिवासा एस्टेट में चोरी के बाद एकत्रित लोग।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की गेट बंद कॉलोनी शिवासा एस्टेट कॉलोनी के एक विला में गेट तोड़ कर चोरों ने आवास से 60 तौले के जेवरात और एक करोड़ की नकदी चोरी कर ली। मकान मालिक का परिवार गोवर्धन में होने वाले एक भंडारे में शामिल होने के लिए गया था। लौट कर आने पर घर में हुई चोरी का पता लगा। घटना का पता लगने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। शिवासा एस्टेट के आवास संख्या 246 में सुशील दीवान अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका कपड़ों का शोरुम है। बताया गया कि मंगलवार को गोवर्धन में भंडारे का आयोजन था। इसके लिए सुशील दीवान करीब दस बजे अपने घर से गोवर्धन के लिए चले गए। करीब 12 बजे उनके परिवार के लोग भी गोवर्धन चले गए। इसी दौरान चोरों ने उनके मकान को निशाना

मकान मालिक का परिवार गोवर्धन भंडारे में गया हुआ था

सायं को घर लौटने पर परिवार के लोगों को चला पता

पुलिस चोरी की जांच में जुटी

बनाया। चोरों ने मकान के गेट को तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कमरों में रखी अलमारी आदि से लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। मकान में हुई चोरी की वारदात का पता परिवार को उस समय लगा जब वह गोवर्धन से सायं को लौटकर आए। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

18 लपके गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने लपका गिरी करने के आरोप मे विभिन स्थानों पर अभियान चला कर 18 लोगों को गिरफ्तार किया है।

यूपी बोर्ड की हेल्प डेस्क मदद करेगी परीक्षा की तैयारियों में

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 24 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए बोर्ड के विशेषज्ञ परीक्षार्थियों को अच्छे नंबर लाने व मनोविज्ञानशाला के विशेषज्ञ तनाव से दूर रहने में मदद करने में जनवरी से जुटेंगे। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज के साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय और मंडल मुख्यालय स्तर पर भी हेल्पडेस्क बनाने के निर्देश दिए हैं। ताकि परीक्षार्थियों की सहायता हो सके। यह जानकारी देते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि हेल्पडेस्क का जल्द गठन होगा। उसमें बोर्ड के विषय

छात्रों के परीक्षा तनाव में भी मनो विशेषज्ञ देंगे सलाह

जनवरी में बोर्ड मुख्यालय, मंडल स्तर पर बनेगी हेल्प डेस्क

शीघ्र जारी होंगे डेस्क के नम्बर

विशेषज्ञों के साथ ही मनोविज्ञानशाला के विशेषज्ञ भी रहेंगे। बोर्ड परीक्षा से पूर्व छात्र–छात्राओं में अध्ययन के लिए एकाग्र ना हो पाना, परीक्षा से भय, अच्छे अंक ना लाने का भय, परीक्षा से संबंधित दबाव आदि की समस्या आम है। इसके चलते विद्यार्थी परीक्षा में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। उन्होंने जनपद के छात्र–छात्राओं से इस हेल्पडेस्क का लाभ उठाने की अपील की है। इसके लिए जिले के सभी राजकीय, मान्यता प्राप्त, स्व वित्त पोषित कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों से छात्रों को प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही हेल्प डेस्क के नम्बर जारी हो जाएंगे।

यू–ट्यूब चैनल के वीडियो भी बनेंगे सहारा

यूनिक समय, मथुरा। डीआईओएस ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों की मदद के लिए बोर्ड के विशेषज्ञ यू-ट्यूब चैनल पर वीडियो भी अपलोड कर रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही वेबसाइट पर भी विषय से संबंधित टिप्स अपलोड किए जाएंगे ताकि परीक्षार्थी अच्छे अंक हासिल कर सकें।

आंगनबाड़ी केन्द्र बंद रहेंगे 14 जनवरी तक

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने जनपद में शीतलहर के परिप्रेक्ष्य तथा वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों के आज से 14 जनवरी तक बन्द होने को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में संचालित सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्राथमिक विद्यालयों के बन्द होने तक शीताकालीन अवकाश घोषित किया है।

इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा केन्द्रों को खोलते हुए राशन वितरण, टीकाकरण एंव अन्य शासकीय कार्य पूर्व की भांति सम्पादित किये जायेंगे।

जिलाधिकारी ने घोषित किया शीतकालीन अवकाश

सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां बांटेंगी पोषाहार, करेंगी टीकाकरण

कम्प्यूटर में दक्ष शिक्षकों से प्रशिक्षित बच्चों की परीक्षा कराएं एआरपी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024–25 में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं हेतु निःशुल्क यूनीफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता–मोजा एवं स्टेशनरी के क्रय से सम्बन्धित धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे छात्र–छात्राओं के माता/पिता/अभिभावकों के खातों में अन्तरित किये जाने के सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों को तत्काल लम्बित प्रकरणों (छात्र–छात्राओं का सत्यापन, आधार प्रमाणीकरण, नान सीटेड प्रकरण आदि) को पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया। सीडीओ ने जनपद मथुरा में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत समस्त ब्लॉक संसाधन केन्द्रों पर स्थापित आईसीटी लैब में एआरपी द्वारा कम्प्यूटर में दक्ष शिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कराये गये बच्चों की अध्ययन प्रगति की परीक्षा कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। सीडीओ ने एसआरजी को निर्देशित किया कि पूर्व जारी रोस्टर के अनुसार समस्त एआरपी के सपोर्टिव सुपरविजन का यूनिक विजिट एवं टाइम स्पेंड का विवरण प्रस्तुत करें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त आदि उपस्थित थे।

ऋण चुकता करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने बताया है उप्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड से जिन व्यक्तियों ने निगम की विभिन्न योजनाओं में ऋण लिया है, उसको नहीं चुका पाने वालों के लिए सरकार ने नवीन एकमुश्त समाधान योजना प्रारंभ की है। उसका लाभ लेकर ऋण को चुकता कर सकते हैं। इस योजना का लाभ 31 मार्च तक ऋण लेने वाले उठा सकते हैं।

गुजरे साल में भी सड़कें रहीं मानव खून से लाल

अफजाल अहमद

यूनिक समय, मथुरा। सड़क हादसों में मरने वाले लोगों के परिवारों के सामने साल 2024 आंसू और यादें छोड़ गया। इस साल को लोग नहीं भुला पाएंगे। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में अपंग हुए लोग भी साल को हमेशा याद रखेंगे। वर्ष 2024 में जनपद में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 580 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 892 लोग घायल हो गए। घायलों में कई लोग तो पूरी तरह से विकलांग होकर अपने परिवार के लोगों पर बोझ बन गए। जनपद में हालांकि हादसों में मरने वालों की संख्या वर्ष 2023 के मुकाबले कम रही, लेकिन इसके बावजूद जनपद की सड़कें खून से लाल नजर आई। पुलिस विभाग से मिले आंकड़े बताते हैं कि जहां वर्ष 2023 में 1076 सड़क दुर्घटनाएं हुई। वहीं वर्ष 2024 में इन

मृतकों के परिवार कैसे भूलेंगे 2024 को

2023 के मुकाबले 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी

मौतों की संख्या में हुई वृद्धि, घायलों में आई कमी

सड़क दुर्घटनाओं में कुछ कमी आई। इस तरह इस साल में केवल 1031 दुर्घटनाएं हुई। इस तरह इस साल पिछले साल की तुलना में 45 दुर्घटनाएं कम हुई। इन सड़क दुर्घटनाओं में जहां 2023 में मरने वालों की संख्या 553 थी। वहीं 2024 में मरने वालों की संख्या 580 हो गई। कहना का अर्थ यह है कि सड़क दुर्घटनाओं में 2024 में जहां कमी हुई वहीं मरने वालों की संख्या 27 अधिक हो गई। वहीं 2023 के मुकाबले दुर्घटनाओं में घायल होने वालों की संख्या में भी 23 घायलों की कमी हुई है। जनपद में होने वाली घटनाओं में अधिकांश मरने वालों में बाइक सवार ही शामिल है। ट्रैफिक विभाग ने जनता के लोगों से अनुरोध किया है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए बाइक सवार सावधानी से बाइक चलाएं जिससे दुर्घटना का शिकार होने से बच सकें।

सबसे अधिक 168 दुर्घटनाएं नेशनल हाईवे पर हुई

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर वर्ष 2024 में होने वाली सड़क दुर्घटनाएं सबसे कम हुई जबकि सबसे अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या सबसे अधिक रही है। पुलिस के अनुसार एक्सप्रेस वे पर इस साल में 48 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिसमें 37 लोगों की जाने गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर 267 दुर्घटनाओं में 168 लोगों की जानें गई। इसके साथ ही स्टेट हाईवे पर 107 दुर्घटनाओं में 62 लोग मारे गए। प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़कों पर चलने वाले लोगों के साथ

एक्सप्रेस वे पर पूरे साल में 48 सड़क दुर्घटनाएं हुई

हुई 248 सड़क दुर्घटनाओं में 134 लोगों की मौत हो गई। जिले की विभिन्न बड़ी सड़कों (ओडीआर) पर 91 सड़क दुर्घटनाओं में 43 लोग काल के ग्रास में चले गए। इसी तरह बीआर रोड पर 270 सड़क हादसों में 136 लोगों ने अपनी जान गंवाई। इस तरह साल भर के अंदर 580 लोग इन सड़कों की भेंट चढ़ गए।

नए साल पर लोग भूल गए पुरानी परंपरा

मुकेश गौतम

यूनिक समय, मथुरा। एक वक्त ऐसा भी था, जब ग्रीटिंग कार्ड को लोग काफी पसंद करते थे। खासकर नए साल के मौके पर इनकी खूब बिक्री हुआ करती थी। उस समय दुकानदारों पर भीड़ का जमावाड़ा लगा रहता था। नए साल पर दुकानदारों की अच्छी खासी बिक्री होती थी। पहले लोग अपने परिवार और अपनों को ग्रीटिंग कार्ड के माध्यम से शुभकामनाएं देते थे। पहले एक ऐसी परंपरा बन गयी थी। लेकिन समय बदलने के साथ लोग डिजिटल तकनीक और जब से सोशल मीडिया का क्रेज बढ़ा है। तब से हमारा समाज अपनी परंपरों को भी भूल गया है। दुकानदारों का कहना है कि अब लोगों पर सोशल मीडिया, व्हाट्सएस, इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म्स मीडिया हावी हैं। इसके माध्यम से अब लोग शुभकामनाएं देते है। जब ग्रीटिंग कार्ड की रिवाज चलती थी। तब दुकानदार अच्छी खासी कमाई किया करते थे। दुकानदार भी नए साल के आने का इंतजार करते थे। कब नई साल आयेगी। हमारी आमदनी अच्छी हो जाएगी। लोगों ने कहा कि ऐसे ही

दुकानों पर ग्रीटिंग कार्ड की बिक्री हो गई कम

सोशल मीडिया पर शादियों के कार्ड भी लोग डालने लगे है। ऐसा लग रहा है। कि धीरे–धीरे शादियों के कार्ड का भी चलन कम होता जा रहा है। एक दुकानदार ने कहा कि ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में ग्रीटिंग कार्ड एक इतिहास बनकर रह जाएगा। बुजुर्ग बताते थे कि एक दशक पहले नए साल की तैयारियां एक माह से पहले शुरू किया करते थे। लोग एक दूसरे को ग्रीटिंग कार्ड देकर नए साल की आपस में शुभकामनाएं देते थे। दुकानदार भी एक माह पहले से ही ग्रीटिंग कार्डो को सजाया जाता था। अब नई पीढ़ी पुरानी रिवाजो को भूलती जा रही है।

नए साल में रोगियों को मिलेंगी नई सुविधाएं

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नव वर्ष पर जिला अस्पताल आने वाले मरीजों को नई सुविधाओं का मिलेगा लाभ। वर्ष 2024 अंतिम ओर चल रहा है, जिसके चलते जिला अस्पताल में लगातार सुविधा संसाधनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2024 में अव्यवस्थओं को लेकर चर्चित रहने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय में अब नए साल में मरीजों को बेहतर व्यवस्था देने की ओर विशेष फोकस किया गया है। जिला अस्पताल के सीएमएस मुकुन्द बंसल ने बताया कि नव वर्ष में जिला अस्पताल आने वाले ब्रजवासियों के

सीएमएस मुकुंद बंसल

लिए डेवलपमेंट करने जा रहे है। वह यह कि वर्तमान में 70 बेड का अस्पताल है। 50 बेड का वार्ड और बन रहा है, जो 2025 में तैयार होकर जिला अस्पताल को हैंडऑवर हो जाएगा। जिससे मरीजों को पूरे उपचार

जिला अस्पताल के सीएमएस ने दिया भरोसा

के बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा और मरीजो को भर्ती करने की भी दिक्कत नही रहेगी।

दूसरा फायर फाइट का सिस्टम तैयार हो रहा है।

मरीजों के लिए पैथोलॉजी लैब में कुछ जांचें बढ़ा रहे है, जो मरीजो को प्राइवेट पैथोलॉजी लैब में महंगी पड़ती थी वह सभी जांचे जिला अस्पताल में निःशुल्क दी जाएंगी। आगे बताते है कि अस्पताल के लिए जो भी जरूरते होती हैं उससे हम शासन को समय समय पर अवगत कराते रहते है, जिससे पूरी सहायता मिलती रहती है। आगे बताते है कि अस्पताल में सर्जरी का लाभ भी आने वाले मरीजो को मिलता है।

जनरल नाक, कान, गले, आंख व स्त्री रोग में होने वाली सर्जरी की व्यवस्था भी है।

अस्पताल में आने वाले 20 पर्सेन्ट शहरी तो 80 पर्सेन्ट ग्रामीण सर्जरी के मरीज होते है। कोशिश यही है कि 2024 में जो भी अव्यवस्थाएं मरीजो को रही उनको दूर किया जाए और सीरियस मरीज को आगरा रेफर करने की वजह अपने जिला अस्पताल में ही उनको पूरा उपचार मिले।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा

तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य जल्द पूरा करें

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा बैठक की। बैठक में व्यक्तिगत शौचालय के निर्माण, ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के सत्यापन उपरान्त उनको धनराशि भेजना, तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य अति शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्ट्रेट सभागार में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यों की समीक्षा करते मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना।

उन्होंने कहा कि जिन पंचायतो में पंचायत सहायक नहीं है संबंधित एडीओ पंचायत और बीडीओ रिक्त पदों की सूचना तत्काल जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय को प्रेषित करें। सभी रिक्त पंचायत पर पंचायत सहायकों की भर्ती की प्रक्रिया को जनवरी माह में अवश्य पूरा कर लें। उन्होंने सभी ग्राम प्रधान एवं सचिव माह नवंबर एवं दिसंबर का केयरटेकर एवं पंचायत सहायक के लंबित मानदेय भुगतानों को पूरा करें। सभी पंचायत सहायक प्रतिमाह 100 दिन की सेवा अनिवार्य रूप से पंचायत सचिवालय को दे।

सीडीओ ने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायत में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जमीन उपलब्ध नहीं हो पाई है। अग्रिम तीन दिवस में नायब तहसीलदार, एडीओ, सचिव और प्रधान की टीम लेखपाल की उपस्थिति में ग्राम पंचायत में जमीन तलाश कर पैमाइश करेंगी, जिससे अति शीघ्र निर्माण कार्यों को पूरा कराया जा सके।

बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य ट्रेजरी ऑफिसर, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत संचारी, जिला समन्वयक पवन चौधरी, मनोज उपाध्याय, शेखर वर्मा एवं ग्राम प्रधान आदि उपस्थित थे।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कृष्ण और सुदामा की मित्रता देती है सीख

गुरुकृपा कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर में चल रही कथा में भागवत प्रवक्ता आचार्य रवीन्द्र। व्यास पीठ का पूजन करते अतिथि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गुरुकृपा विलास कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथा व्यास आचार्य रवीन्द्र ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए। उन्होंने कृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया। मां देवकी के कहने पर छह पुत्रों को वापस लाकर मां देवकी को वापस देना सुभद्रा हरण का आख्यान कहना एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास आचार्य रवीन्द्र ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्री कृष्ण सुदामा जी से समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र से सखा सुदामा मिलने के लिए द्वारका पहुंचे। उन्होंने कहा कि सुदामा ने द्वारकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे। द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं। इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है, जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना तो वह प्रभु सुदामा–सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया–कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया। दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अचंभित हो गए। कृष्ण सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया हुआ। उन्हें कुबेर का धन देकर मालामाल कर दिया। जब जब भी भक्तों पर विपदा आ पड़ी है, प्रभु उनका तारण करने अवश्य आए हैं। इस अवसर पर पधारे संत नवलगिरि महाराज ने कहा कि जो भी भागवत कथा का श्रवण करता है उसका जीवन तर जाता है। इस अवसर पर प्रभात अग्रवाल, अनिल भाई ड्रेस वाले, प्रमिल गर्ग कसरे, विपिन बिहारी अग्रवाल, मोहनलाल अग्रवाल, उमेश मित्तल, मनोज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, नकुल अग्रवाल, प्रदीप महेश्वरी, विनोद अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, गौरव अग्रवाल टेंट वाले सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

हिंडौन से आए भक्तों ने गिरिराज जी को अर्पित किए छप्पन भोग

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा के लक्ष्मीनारायण मंदिर में राजस्थान हिंडौन से आए भक्तों द्वारा गिरिराज प्रभु का भव्य फूल बंगला व छप्पन भोग अर्पित किया। मंगलवार को भक्तों ने गिरिराज जी की परिक्रमा लगाई। गिर्राज प्रभु के जयकारों के बीच भक्त अपने आराध्य के दर्शन को अपलक निहारते रहे। गिर्राज प्रसाद तिवारी ने बताया कि गिरिराज जी की कनक दंडवती परिक्रमा की समाप्ति पर प्रभु को छप्पन भोग व फूल बंगला सजाया गया है। इस मौके पर सेवायत राजू कौशिक, सचिन कौशिक, राहुल कौशिक, अजय कौशिक, गिर्राज प्रसाद तिवारी, आशीष प्रताप शर्मा, धीरज तिवारी, अश्वनी प्रणाम शर्मा, शिवशंकर भौरा एवं युवराज भौरा आदि उपस्थित थे।

राधाजी के दर्शन को भोर से लेकर देर रात्रि तक उमड़े श्रद्धालु

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना। वर्ष 2024 की विदाई पर मंगलवार को भारी संख्या में भोर से ही यहां के विश्व प्रसिद्ध लाडलीजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं को नियंत्रण करने के लिए मंदिर के सुरक्षा गार्ड व पुलिस कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं नगर पंचायत ने नववर्ष पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए कस्बे में सघन सफाई अभियान चलाकर चूना का छिड़काव की व्यवस्था की गई है। जैसे ही मंगलवार को सुबह साढ़े पांच बजे मंदिर का गेट खुला तो मंगला दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लग चुका था। यही हाल सुबह नौ बजे श्रृंगार दर्शन के समय देखने को मिला। वर्ष 2024 की पूर्व संध्या से ही मंदिर में लगातार प्रत्येक मार्ग से श्रद्धालु राधाजी के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे थे। वहीं भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मंदिर प्रबंध कमेटी के सुरक्षा गार्ड व पुलिस के जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मंदिर में फूल माला, श्रृंगार भोग सामग्री चढाने के लिए मंदिर प्रांगण में धक्का मुक्की करते श्रद्धालु दिखाई दिए।

वर्ष 2024 के अंतिम दिन बरसाना के विश्व प्रसिद्ध लाडलीजी मंदिर में राधाजी के दर्शन को उमड़ी भीड़।

मंदिर प्रांगण में सुरक्षा गार्ड व पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

बीती सायं राधाजी की नगरी में पहुंच जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह व एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने यहां आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि कोई भी वाहन गोवर्धन बरसाना मार्ग, कोसी बरसाना मार्ग, छाता मार्ग, राधाबाग मार्ग पर खड़े नही हों। जो व्यवस्था मंदिर जाने के लिए वन वे प्रारंभ की है, उसका पालन किया जाए। ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

बांकेबिहारी मंदिर पर उमड़ने वाली भीड़ से प्रशासन की बढ़ी चिंता

नव वर्ष से पहले एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार बांकेबिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को पैदल चलकर देखते हुए।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में नव वर्ष पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आज एसपी सिटी ने मंदिर और उसके आस–पास के इलाके में पैदल गश्त कर वहां की जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बांके बिहारी मंदिर में बड़ी संख्या में नव वर्ष पर भगवान के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की हाथ–पैर फूले हुए हैं। मंदिर और उसके आस–पास के इलाके पर प्रशासन द्वारा पूरी तरह से नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी व एसएसपी भी यहां की जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले चुके हैं। आज एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ बांके बिहारी मंदिर और उसके आस–पास के इलाके में पैदल गश्त करने के बाद वहां की व्यवस्थाओं को जानकारी की। इसके साथ ही इस बात का आंकलन भी किया कि अगर भीड़ अधिक बढ़ती है तो उसे मंदिर में किस तरह सुगम तरीके से दर्शन हो सके और स्थानीय लोगों को भी इसके चलते कोई भी परेशानी न हो।

विधायक निधि से दो वॉशरूमों का लोकार्पण

यूनिक समय, मथुरा। जवाहर इंटर कॉलेज ओल में विधायक पूरन प्रकाश एवं जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र सिंह ने विधायक निधि 12 लाख रुपए से निर्मित दो वॉशरूम का लोकार्पण किया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वागत, समूह, एकल गीत, सामूहिक योग के साथ एनसीसी कैडर द्वारा विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

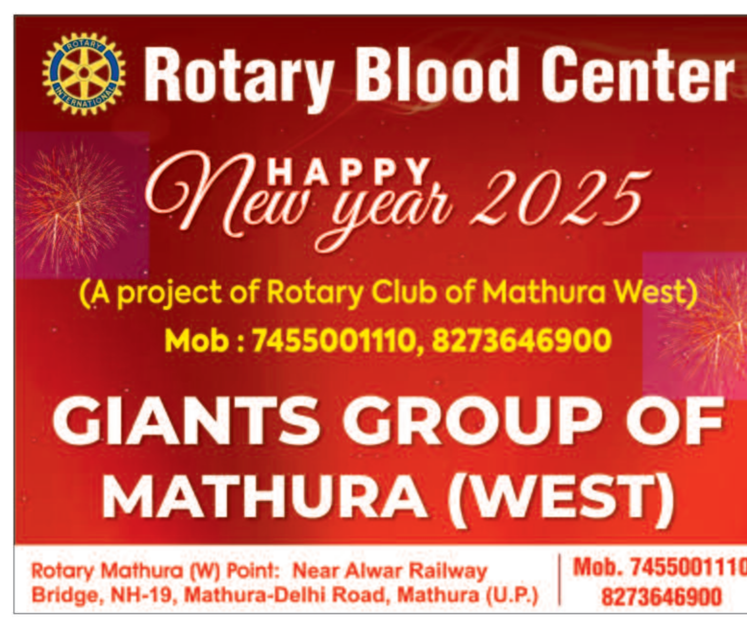

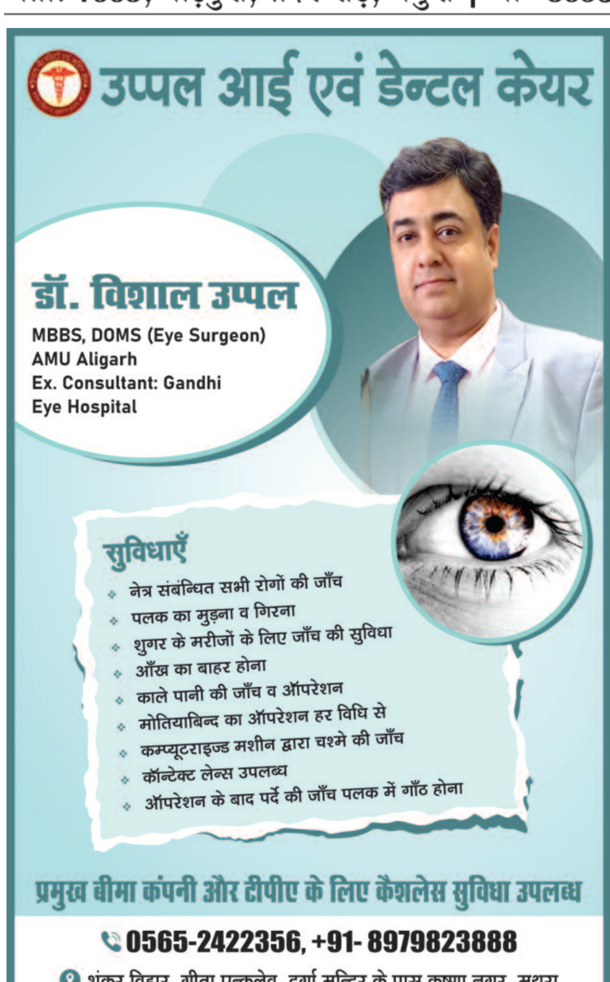

गोवर्धन से नदारद दिखी श्रद्धालुओं की भीड़

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बे में नववर्ष की पूर्व संध्या पर श्रद्धालुओं की भीड़ में खासी कमी देखी गई। यहां सुबह से लेकर दोपहर तक मुख्य मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ न के बराबर थी। हालांकि शाम होते–होते भीड़ की संख्या में इजाफा देखा गया। गोवर्धन में जगह–जगह बने बैरिकेड्स पर पुलिसकर्मी वाहनों को वीआईपी ट्रीटमेंट देते हुए दिखाई दिए। जिन वाहनों पर सत्ताधारी दलों के झंडे बैनर लगे थे उनको आसानी से बैरीकेड (बैरियर) से पास कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों के आईडी दिखाने पर भी उनको अंदर नहीं जाने दिया गया। यहां तक की एक गाड़ी पर तो नंबर प्लेट भी नहीं थी फिर भी उसको वीआईपी ट्रीटमेंट देते हुए अंदर नो पार्किंग और नो व्हीकल जोन में घुसा दिया गया। इससे पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न उठ गया।

दानघाटी मंदिर के सामने खाली पड़ी सड़क।

रेलवे पुलिस ने पकड़े तीन चोर

80 हजार का चोरी का माल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना राजकीय रेलवे पुलिस ने स्टेशन पर अपराधिक घटनाओं को रोकने और चेकिंग आदि के दौरान स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या आठ से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान और मोबाइल आदि बरामद किया है। राजकीय रेलवे पुलिस मथुरा जंक्शन के प्रभारी यादराम सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक गौरव कुमार, उप निरीक्षक विनीत कुमार उपाध्याय चौकी इंचार्ज मथुरा कैंट पुलिसकर्मियों के साथ स्टेशन पर होने वाली अपराधिक घटनाओं की रोकथाम और ट्रेनों से होने वाली तस्करी आदि की चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम प्लेटफॉर्म आठ पर आगरा साइड पर बैठे तीन संदिग्ध युवकों को देख कर उनसे पूछताछ करने लगी। तलाशी के दौरान उनके पास से मोबाइल और चोरी का सामान बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद माल की कीमत 80 हजार रुपये है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहित, आयन उर्फ बाबू निवासी बिजली घर के समीप नगला शीशागढ़ सिकंदराराऊ जिला हाथरस व जितेंद्र उर्फ भोला निवासी ग्राम छौंका थाना हाथरस जंक्शन जिला हाथरस हैं।

महिला सहित तीन को मारपीट कर किया घायल

हमलावरों ने पिटने वालों के खिलाफ ही दर्ज कराई रिपोर्ट

पीड़िता ने एसएसपी से मामले की जांच कराने की लगाई गुहार

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के आयरा खेड़ा में रहने वाली एक महिला, उसके पति व देवर के साथ वहीं के रहने वाले लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट की। हमले में तीन लोग घायल हो गए। मारपीट करने वाले पीड़ित परिवार के खिलाफ थाने में फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराई।

इस मामले को लेकर पीड़ित महिला ने एसएसपी से शिकायत की है। आयरा खेड़ा निवासी महिला हिना पत्नी चांद मौहम्मद ने कहा है कि वह अपने घर पर काम कर रही थी। इसी बीच वहीं रहने वाले उसके पड़ोसी आमिर, नासिया व शाहरूख सहित अन्य लोग लाठी डंडे लेकर उसके घर में आए और इन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। शोर करने पर आए उसके पति व देवर को भी इन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। हमलावरों ने मारपीट करने के बाद थाना राया में पीड़िता के परिवार के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी। पीड़ित महिला ने मामले की जांच कराकर हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार एसएसपी से लगाई है।

आकाशवाणी बचाने को आगे आए पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया

यूनिक समय, मथुरा। पद्म श्री मोहन स्वरूप भाटिया ने सूचना प्रसारण मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि आकाशवाणी मथुरा–वृंदावन से ब्रज सम्बन्धी कार्यक्रमों को और अधिक समृद्ध रूप में प्रसारित किये जाने की जरूरत है। ब्रजवासी और देश विदेश के कृष्ण भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र को रिले केन्द्र बनाने से रोकना आवश्यक है।

युवकों पर किशोरी को अगवा करने का लगाया आरोप

पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

पीड़िता ने एसएसपी से लगाई गुहार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली के परिक्रमा मार्ग स्थित पंच मुखी हनुमान मंदिर के निकट रहने वाली एक किशोरी को कुछ युवक अगवा कर ले गए। इस मामले में कार्रवाई करने की मांग किशोरी की मां ने एसएसपी से की है। पंचमुखी हनुमान मंदिर के निकट रहने वाली सीमा ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उसकी 14 साल की बेटी 9 दिसंबर को सायं करीब सात बजे बाजार में सामान खरीदने के लिए गई थी। इसके बाद से वह घर नहीं लौटी। किशोरी को काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं लगा। बाद में जानकारी हुई कि इसी इलाके के रहने वाले युवक बिरजू, श्याम ठाकुर उसे परेशान करते थे। यही नहीं उस पर बुरी नजर रखते थे। इस बात की शिकायत किशोरी ने अपनी मां से भी की थी। मां द्वारा इन युवकों के परिवारीजनों से शिकायत करने पर उनके द्वारा मारपीट भी की गई। महिला इस मामले की रिपोर्ट लिखाने के लिए थाने गई तो उसे वहां से बिना रिपोर्ट लिखे भगा दिया। पीड़ित ने इस मामले में कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

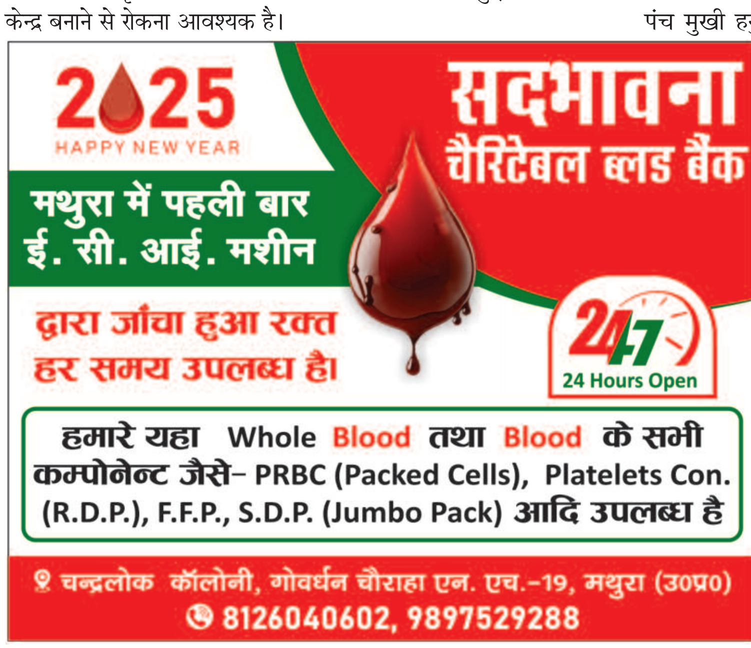

सनातन धर्म के सर्वमान्य एक कैलेंडर और एक पंचांग को मिले महाकुम्भ में मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म के साथ बहुत ही हास्यास्पद स्थिति तब हो जाती है, जब आधा समाज दीपावली एक दिन पहले मनाता है और आधा एक दिन बाद। ऐसा ही रक्षा बंधन को लेकर इस वर्ष देखने को मिला। ऐसी स्थिति को देखते हुए जन सहयोग समूह के समन्वयक अजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि कुम्भ का उद्देश्य भी हिन्दू समाज के समस्त प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर समाज के विकारों को दूर करना ही है। इस बार महाकुंभ में सनातन धर्म के सर्वमान्य एक कैलेंडर व पंचांग बनाने को मान्यता प्रदान की जाए। एक कैलेंडर एक पंचांग की मान्यता से हिन्दू समाज का उपहास रुकेगा। चाहें वह चन्द्र वर्ष पर आधारित हो अथवा सौर वर्ष पर या फिर दोनों का सामंजस्य हो। लेकिन एक सर्वमान्य कैलेंडर और पंचांग हो।

जीएलए में गुणवत्तापूर्ण शोध के पहलुओं से रूबरू हुए शोधार्थी

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित वित्तपोषित दस दिवसीय ट्रेनिंग व क्षमता विकास कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के पदाधिकारी के साथ शोधार्थी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में इंडियन कॉउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च द्वारा वित्तपोषित दस दिवसीय ट्रेनिंग व क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शोधार्थियों को विभिन्न शोध विधाओं, तकनीकों, चुनौतियों एवं उनके संभावित समाधानों की विस्तार से जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर विवेक अग्रवाल ने बताया कि दस दिवसीय कार्यक्रम विशेष रूप से शोधार्थियों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था, जिससे कि शोधार्थियों को विभिन्न शोध विधाओं, तकनीकों, चुनौतियों एवं उनके संभावित समाधानों की विस्तार से जानकारी प्राप्त हो सके। उद्योग जगत की ज़रूरतों के अनुसार शोध

दस दिवसीय ट्रेनिंग व क्षमता विकास कार्यक्रम

के विभिन्न आयामों को समझने हेतु प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में भी प्रतिभागियों को ले जाया गया। सह संयोजक डॉ. जितेंद्र दीक्षित व डॉ. सुचेता अग्रवाल ने बताया कि दस दिवसीय कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के दौरान शिक्षा व उद्योग जगत के विषय–विशेषज्ञ शोधार्थियों से रूबरू हुए।

जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल के निदेशक(रिसर्च सेंटर) प्रो. सचिन मंगला ने गुणवत्तायुक्त शोध के विभिन्न तत्वों की विस्तार से जानकारी दी। आईआईटी खड़गपुर की प्रो. विनीता तिवारी, आईआईटी दिल्ली के प्रो. जीतेन्द्र मदान, एनआईटी जालंधर के डॉ. ज्ञानप्रकाश, एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रो. सुमित नरूला, जयपुरिया इंस्टीट्यूट के प्रो. अमरनाथ त्रिपाठी व प्रो. कुमार आशीष, ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट के प्रो. हरीश कुमार, आईएमटी की प्रो. गुंजन मल्होत्रा, बिम्टेक की प्रो. पूजा मलिक, आईओसीएल के मानव संसाधन अधिकारी डॉ. नीरज जायसवाल, डॉ. पुष्कर शर्मा आदि विषय विशेषज्ञों ने दस दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के दौरान शोधकार्यों में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न तकनीकों व विधाओं पर विस्तार से चर्चा की। जीएलए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि शोध व शोधपत्र केवल डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने भर की औपचारिकता नहीं है, अपितु समाज के प्रति एक आवश्यक दायित्व के निर्वहन का जरिया है। इसके लिए केवल ईमानदार प्रयास होने चाहिए। एसोसिएट डीन एकेडेमिक्स प्रो. आशीष शुक्ला ने कहा कि शोध जीवन पर्यंत चलने वाली एक प्रक्रिया है। सीएसईडी के एसोसिएट डायरेक्टर प्रो. पुष्कर शर्मा ने प्रतिभागियों के साथ शोध विधाओं व शोध के आयामों पर विस्तार से चर्चा की। प्रबंधन संकाय निदेशक प्रो. अनुराग सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल, एसोसिएट विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह ने कहा कि आईआईटी, ईडीआईआई, गोआ यूनिवर्सिटी, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, एचबीटीयू, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, झारखंड विश्ववविद्यालय, मद्रास यूनिवर्सिटी आदि संस्थानों के शोधार्थियों का जीएलए में इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने आना एक सुखद अनुभव है। आयोजन समिति के सदस्यों ने सीएसईडी के सेंटर हैड डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. शिवम भारद्वाज, डॉ. नीरज पाठक, मनोज शर्मा, दीपांश गोयल, अनुराग विश्वकर्मा, रितिक, वर्तिका आदि का विभिन्न सत्रों के दौरान सहयोग रहा।

निबंध प्रतियोगिता में अंजली उपाध्याय प्रथम

यूनिक समय, मथुरा। तुलसी साहित्य संस्कृति अकादमी न्यास के तत्वावधान में विद्या भारती ब्रज प्रदेश कार्यालय के ऊपर माधव संवाद केंद्र में 'काकोरी काण्ड के अमर बलिदानी' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार मदनमोहन शर्मा 'अरविंद' और अध्यक्ष ब्रजभाषा विभूषण से सम्मानित वरिष्ठ साहित्यकार हरि दत्त चतुर्वेदी 'हरीश' के साथ विशिष्ट अतिथि राजकुमार सारस्वत व अन्य प्रतिष्ठित विद्वानों की उपस्थिति में हुआ। अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि के साथ कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ने प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और जीवनोपयोगी पुस्तक–सेट प्रदान कर पुरस्कृत किया। श्रीकृष्ण आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भदाल की नवीं कक्षा की छात्रा अंजली उपाध्याय ने प्रथम, अवनी उपाध्याय ने द्वितीय तथा रीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजन डॉ अमरसिंह सैनी श्रीमाली ने किया। इस आयोजन के द्वितीय सत्र में काव्य संगोष्ठी में लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, राहुल प्रजापति, ओज कवि उदयवीर सिंह, अनन्या गौतम, राष्ट्रवादी आचार्य नीरज शास्त्री मदनमोहन शर्मा 'अरविंद' डॉ अमरसिंह सैनी 'श्रीमाली' ,सुभाष गुप्त 'मुसाफिर' तथा हरि दत्त चतुर्वेदी 'हरीश' आदि ने काव्य पाठ किया। अंत में आकाश शर्मा ने समां बांधा। संचालन अनुज चतुर्वेदी 'अनुभव' ने किया।

विद्यालय से अनुपस्थित चल रहे आठ शिक्षकों को जारी किया नोटिस

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तैनात आठ शिक्षक शिक्षिकाओं को बिना सूचना के लगातार कई माह से अनुपस्थित रहने स्पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय भूतिया मांट के शिक्षक अमित कुमार विगत तीन माह से, प्राथमिक विद्यालय गढ़ी बिहारी मांट के शिक्षक हाकीम मुबीन अहमद चार माह से, प्राथमिक विद्यालय सिहाना चौमुहों के शिक्षक दिनेश सिंह ढाई वर्ष से, प्राथमिक विद्यालय नगला मौजी, चौमुहां के रनवीर सिंह 2 वर्ष 4 माह से, प्राथमिक विद्यालय नगला जहर, चौमुही के गजराज सिंह, प्राथमिक विद्यालय बसई बुजुर्ग चौमुहां की शिक्षिका बबिता, प्राथमिक विद्यालय अगरवाला चौमुहां के धर्मेन्द्र कुमार, प्राथमिक विद्यालय पसोली चौमुहां के अंकुर जैन दो वर्ष से अनुपस्थित चल

अवकाश की अवधि समाप्त होने के दो वर्ष बाद भी उपस्थित नहीं हो रहे हैं

बीएसए ने अनुपस्थित अध्यापकों से 15 दिन में मांगा स्पष्टीकरण

रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये शिक्षक शिक्षिका निर्धारित तिथि का अवकाश स्वीकृत कराने के बाद विद्यालय अवकाश की अवधि समाप्त होने पर नहीं पहुंचे। वे लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं।

उन्होंने सभी को नोटिस जारी करके 15 दिवस में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 15 दिन के अंदर उनके कार्यालय में उपस्थित होकर जबाव दाखिल नहीं किया तो आपका पद रिक्त दर्शाते हुए विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

उठावनी

स्व. श्री महेश चन्द्र अग्रवाल (बिसावर वाले)

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी महेश चन्द्र अग्रवाल जी (बिसावर वाले) का साकेतवास दिनांक 30.12.2024 दिन सोमवार को हो गया है। उठावनी दिनांक 01.01.2025 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरुषों की अपराह्न 3 से 4 बजे तक चम्पा अग्रवाल बाल मन्दिर, डैम्पीयर नगर, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

दिनेश चन्द्र अग्रवाल (भाई)
अरविन्द कुमार, मुकेश चन्द्र
लोकेश, भुवनेश, प्रवीन, पवन
तरुण, रविन्द्र, अरुण, धर्मेन्द्र
पारस, अनमोल, आदित्य, योगेश (भतीजेगण)
मृदला–गोविन्द बिहारी जी
अशोक गुप्ता जी एडवोकेट (बहन–बहनोई)
सरिता गोयल, बीना–त्रिभुवन जी
सन्ध्या–सुनील जी (पुत्री–दामाद)
युक्ति–आकाश जी (पौत्री–पौत्री दामाद)

सन्तोष कुमार अग्रवाल–लीना बंसल
कृष्ण गोपाल अग्रवाल–बबिता अग्रवाल (पुत्र–पुत्रवधू)
श्रेष्ठ–तान्या बंसल
आशुतोष–रश्मि बंसल (पौत्र–पौत्रवधू)
जितेश, यश (पौत्र)
प्रणय बंसल (प्रपौत्र)
विवेक, संदेश, अविरल, अविलोक (धेवते)
अयांश, त्रिशा (परदोहित्र, परदोहित्री,)

एवं समस्त बिसावर वाला परिवार

प्रतिष्ठान
• कात्यानी रोटो प्रिन्टर्स • कात्यानी रियल पॉलीमर्स
• कात्यानी रेडियन्ट पायल

ससुराल पक्ष:- परमानन्द हरनन्द कुमार, लखनऊ

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार जी का गोलोकवास दिनांक 30.12.2024 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 01.01.2025 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 2 से 3 बजे तक चित्रकुट, मसानी, मथुरा पर होगी।

स्व. श्रीमती निर्मला देवी

शोकाकुल

दीनानाथ जी (चचिया ससुर)
बाल किशन–अनीता
रामकिशन–सुनीता
मुकेश–कंचन (देवर–देवरानी)
अजय, विजय, अमित
योगेश, पवन (देवर)
रुचिश, हर्षित (भतीजे)
समस्त मित्तल परिवार

कपिल–काजल (पुत्र–पुत्रवधू)
ऋषभ, यश (पौत्र)
अंजू पत्नी स्व. राजन जी
आरती–मनीष जी
मीनू–हनीश जी (पुत्री–पुत्री दामाद)
शुभम, श्रुती, नन्दनी
राघव, खुशी, वेदज्ञ (धेवते–धेवती)

प्रतिष्ठान
• वी.के. ऑनर्मिन्टस, बृजवासी काम्पलेक्स, मथुरा
फोन नं० 9897808853

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है मेरे पूज्यनीय पिताजी श्री शरद कुमार गर्ग (घी का कटरा वाले) पुत्र स्वर्गीय श्री देवेन्द्र प्रसाद गर्ग का स्वर्गवास दिनांक 31.12.2024 को हो गया है। उठावनी दिनांक 01.01.2025 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक नैशनल चैम्बर भवन, मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

स्व. श्री शरद कुमार गर्ग

शोकाकुल

शशि गर्ग (पत्नी)
भानू गर्ग–नेहा गर्ग (पुत्र- पुत्रवधू)
लिली गुप्ता–गौरव गुप्ता (पुत्री–दामाद)
अशोक कुमार गर्ग–मधु गर्ग (भाई–भाभी) अश्विनी कुमार गर्ग (भाई)
विनायक गर्ग–आकांक्षा गर्ग (भतीजे–भतीजेवधू)
श्रीसिंघल–करण सिंघल (भतीजी–भतीजी दामाद)
अर्नव, मायरा, (नाति–नातिन) अहाना, लीशा, तवी, दृष्टि (पौत्री)

32 मधुवन एन्कलेव, कृष्णा नगर, मथुरा
मो. : 6398543032

माध्यमिक विद्यालयों की अवकाश सूची जारी

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के लिए वर्ष 2025 की अवकाश तालिका सूची जारी कर दी है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह ने इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा जारी स्थानीय अवकाशों को समायोजित करते हुए जनपद के माध्यमिक विद्यालयों हेतु वर्ष 2025 की अवकाश सूची जारी की जा रही है। जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में जारी सूची के अनुसार ही अवकाश अनुमन्य किये जायेंगे।

सभी देशवासियों को नववर्ष मकर संक्रांति गणतंत्र दिवस की
शुभकामनाएं
विशाल पाराशर
अध्यक्ष मां मनकामेश्वरी देवी मेला समिति, युवा ब्राह्मण संगठन
जिला महामंत्री-विश्व हिंदू महासंघ
संचालक- फ्रेंड्स हीरो एजेंसी राया

सभी देशवासियों को नववर्ष मकर संक्रांति गणतंत्र दिवस की
शुभकामनाएं
सरवन अहमद
(सभासद)
वार्ड संख्या-सात
नगर पंचायत राया, (मथुरा)

सभी देशवासियों को नववर्ष मकर संक्रांति गणतंत्र दिवस की
शुभकामनाएं
अरविंद कुमार अखिल अग्रवाल
मैसर्स: अग्रवाल बर्तन स्टोर
मुकेश डीजल (ioc डीलर)
श्री राधा-कृष्णा कोल्ड स्टोरेज
के.पी फिलिंग स्टेशन
(ioc डीलर) राया (मथुरा)

सम्पादकीय

पैदल व साइकिल सवारों की सुध लेना अच्छा कदम

कानून की नजर से देखें तो सड़क पर सबसे पहले चलने का अधिकार पैदल चलने वाले का होता है। जबकि शहरों में सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल और गायब होते फुटपाथों को देखकर तो कहीं लगता नहीं कि पैदल चलने के इस अधिकार की जरा सी भी रक्षा की जा रही है। अब शहरी नियोजन एवं विकास पर सुझाव देने के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति ने शहरों की सड़क योजना में पैदल व साइकिल से चलने वालों का खास ध्यान रखने की बात कहते हुए इन्हें भी यातायात की परिभाषा में शामिल करने की सिफारिश की है।

पवन गौतम
संपादक

केंद्र सरकार के वर्ष 2022 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप यह उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी। समिति की सिफारिश पर अमल करने की ज्यादा जरूरत इसलिए भी है क्योंकि सड़क हादसों में होने वाली मौतों में बीस फीसदी पैदल चलने वाले होते हैं। हैरत की बात यह है कि हमारे शहरों में जब कभी सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ता है तो सबसे पहले फुटपाथ छोटे करने या इन्हें खत्म ही कर देने का काम होता है। सड़कों पर सुगम व सुरक्षित आवागमन की योजनाओं में पैदल चलने का अधिकार न जाने कहां गुम हो जाता है? पिछले साल ही केंद्र सरकार की ओर से यातायात–परिवहन से जुड़ी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि देश के शहरों में 74 फीसदी से ज्यादा सड़कें फुटपाथ रहित है। जहां कहीं फुटपाथ है भी तो उनका अधिकांश हिस्सा पैदल चलने लायक नहीं है। यानी पैदल चलने के लिए सुरक्षित रो जाने वाले फुटपाथ भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। बचे–खुचे फुटपाथों पर चलने वालों से पूछा जाए कि उन्हें कितनी बाधाएं पार करनी पड़ी तो गिनती बताना ही मुश्किल होगा। एक तरफ शहरों में सार्वजनिक परिवहन के साधनों की कमी रहती है, वहीं दूसरी ओर पैदल या साइकिल से आवागमन करना चाहने वाले हर वक्त डरे–सहमे से रहते हैं। चलने का अधिकार देना और इसे कठोरता से लागू करना दोनों अलग–अलग विषय हैं। यह सचमुच चिंता का विषय है कि सड़कों का जाल जिस विस्तार से फैल रहा है, उससे कहीं ज्यादा रफ्तार से पैदल चलने वालों की हादसों में मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है।

हालांकि सड़क निर्माण के कानून–कायदों में पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी तय की हुई है। सबसे अहम जरूरत इन सड़कों के निर्माण के वक्त ही फुटपाथ और साइकिल ट्रैक के लिए अलग से जगह छोड़ने की है तब ही हादसों पर अंकुश लग सकेगा। पैदल चलने वाले व साइकिल चालकों के लिए कानूनी प्रावधान करना ही काफी नहीं, सती से अमल भी जरूरी है। ठोस उपाय नहीं किए गए तो ये सदैव खुद को असुरक्षित ही महसूस करते रहेंगे।

नजरिया

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

उमेश चतुर्वेदी

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया।

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है।

बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन–स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी

वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ।

इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की।

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे है। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदला है। स्थानीय समुदायों का सहयोग इस अभियान की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों में जनता से सीधे संवाद स्थापित किया है। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। स्थानीय सुरक्षा बलों को मजबूत करते हुए उनकी मदद से नक्सलवाद को कमजोर किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल जनता का विश्वास जीता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और स्थिरता लाने में भी मदद की है।

इस बीच नक्सलियों पर गहन निगाह रखने के लिए जहां खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया, वहीं उनकी निगाहबानी के लिए तकनीक का भी खूब सहारा लिया जा रहा है।

ड्रोन जैसी तमाम तकनीकों के जरिए जहां माओवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, वहीं सटीक सूचनाओं के चलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में भी आसानी हुई है। इसके साथ ही नक्सलियों के लिए की जा रही परोक्ष और अप्रत्यक्ष फंडिंग पर नकेल कसी गई है। हालांकि सरकार के इस कदम को लेकर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ी है। लेकिन केंद्र सरकार ने अपना रूख नहीं बदला। इससे नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ कमजोर हुई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। नक्सलवाद पर नकेल कितना कारगर रहा है, इसका ही असर है कि देश के अब सिर्फ 38 जिले ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे जिलों की संख्या 120 से अधिक थी। नक्सलवाद से जुड़े सिमटते आंकड़े ही बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की नक्सलविरोधी रणनीति की दिशा सही है।

सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 से अधिक आवास बनाए जा रहे हैं। जिनमें विस्थापित परिवारों को रहने की सुविधा दी जा रही है।

नक्सलवाद से विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर भी बनाए गए हैं। समर्पण कर चुके नक्सलियों और नक्सल प्रभावित इलाके के के लोगों को रोजगार दिलाने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां आत्मसमर्पण करने चुके नक्सलियों को उनकी रूचि वाले कारोबार और व्यवसाय के प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही रोजगार मेले भी आयोजित किए जाते रहे। जिनके जरिए सरकारी और निजी, दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता के साथ ही बैंकों से कर्ज भी आसान दर पर दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की इन योजनाओं को लागू करने में सरकार ने श्रीलंका और कोलंबिया जैसे देशों में अपनाई गई पुनर्वास नीतियों का भी असर है। दरअसल वहां की योजनाओं के अध्ययन के बाद उन्हें भारतीय संदर्भ में तैयार किया गया है। अब तक आदिवासियों से केंद्रीय नेतृत्व बात करने से बचता रहा है। लेकिन अमित शाह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के साथ संवाद स्थापित करने पर जोर दिया है। इसकी शुरुआत उन्होंने छत्तीसगढ़ में महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर की, जहां उन्होंने खुद ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

विचार–विंडो

खेल जगत के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा 2024

योगेश कुमार गोयल

पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी।

2024 का वर्ष खेल जगत के लिए कई मायनों में अद्वितीय, ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रहा। यह वर्ष न केवल नई उपलब्धियों और नए रिकॉर्ड का गवाह बना बल्कि कई युवा खिलाड़ियों के उदय के अलावा खेल में नई तकनीकों के समावेश का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। खेल संस्कृति में बदलाव और तकनीकी उन्नति के कारण खेलों के अनुभव को नई ऊंचाईयां मिली। वर्ष 2024 भारतीय खेलों में क्रिकेट, ओलंपिक, पैरालंपिक, शतरंज ओलंपियाड और फिडे विश्व चैंपियनशिप में सफलता के लिए याद किया जाएगा। भारतीय एथलीटों ने इस वर्ष विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। वॉलीबॉल और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। क्रिकेट से लेकर टेनिस, हॉकी, शतरंज के अलावा भारत ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी अपना लोहा मनवाया। भारत का इन खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन रहा, जिससे समस्त देशवासी गौरवान्वित हुए। भारत में आयोजित एशियाई खेल और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप ने वैश्विक स्तर पर भारत को एक प्रभावशाली खेल मेजबान के रूप में स्थापित किया। एक क्रिकेट विश्व कप, 6 ओलंपिक पदक, 29 पैरालंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियनशिप सहित 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई ऐसे अवसर प्रदान किए, जिससे खेलों की दुनिया में भारत का भविष्य उज्जवल नजर आता है।

2024 में खेलों में तकनीकी उन्नति ने निर्णायक भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी ने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन विश्लेषण को नई दिशा प्रदान की। इसके अलावा दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) तकनीक का उपयोग किया गया। विश्वनाथन आनंद के बाद इस वर्ष शतरंज के नए चैंपियन उभरकर दुनिया के सामने आए और शतरंज ने खेल प्रेमियों को जश्न मनाने का भरपूर मौका दिया। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें चेस ओलंपियाड का आयोजन हुआ था, जिसमें पुरुष वर्ग में 195 देशों की 197 टीमों और महिला वर्ग में 181 देशों की 183 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत की पुरुष और महिला दोनों ही टीमों ने सितंबर में इस ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीते, वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाईयों को छुआ। 12 दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने महज 18 वर्ष की आयु में पिछली बार के शतरंज चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनकर नया इतिहास रचा। वह विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने, वहीं 37 वर्षीया हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने कैरियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता।

पिछले साल भारत वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गया था लेकिन इस वर्ष आईसीसी ट्रॉफी जीतने का 11 वर्ष का सूखा समाप्त करने में भारत

सफल हुआ। आखिरी बार महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में 30 जून 2024 को भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता। इसी प्रकार भारतीय हॉकी टीम ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। भारत की ओर से जुगराज सिंह ने गोल दागा था, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने चीन को 1–0 से मात देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। टेनिस में रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में इटली के सिमोन बोलेली और वावसोरी को मात देकर मेंस डबल्स का खिताब जीता और ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब अपने नाम किया।

जहां तक ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत के प्रदर्शन की बात है तो पूरी उम्मीद थी कि भारत इस वर्ष पेरिस में ओलंपिक में नया इतिहास लिखेगा लेकिन 206 देशों के बीच भारत 71वें स्थान पर रहा और भारत का अभियान 1 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ समाप्त हो गया जबकि टोक्यो ओलंपिक में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। महिला पहलवान विनेश फोगाट का 100 ग्राम वजन अधिक होने का मामला भारत की पदक उम्मीदों पर सबसे ज्यादा भारी पड़ा था क्योंकि उनके स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदें लगभग पक्की हो चुकी थी। पेरिस ओलंपिक में भारत भले ही टोक्यो ओलंपिक के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका लेकिन पुरुष हॉकी टीम का लगातार दूसरी बार पदक जीतना भारत के बेहद महत्वपूर्ण रहा। निशानेबाज मनु भाकर ने तो एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर सनसनी मचा दी। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनी। टोक्यो ओलंपिक के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक जीतने की सबसे ज्यादा उम्मीदें थी लेकिन वह रजत पदक ही हासिल कर सके। उनके अलावा शूटिंग में सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले, कुश्ती में अमन सहरावत और पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीते।

पेरिस ओलंपिक के बाद पैरालंपिक खेलों का महाकुंभ तो भारत के लिए अविस्मरणीय बन गया। दरअसल पहली बार हमारे पैरा खिलाड़ी कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों का अभूतपूर्व अध्याय रचने में सफल हुए। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ जो सफलताएं अर्जित की, वह तमाम लोगों के लिए मिसाल बनी। पेरिस पैरालंपिक में भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदक जीते और पदक तालिका में भारत 18वें स्थान पर रहा। इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में 2020 में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक हासिल किए थे। पेरिस में 17वें पैरालंपिक में 22 खेलों की कुल 549 प्रतिस्पर्धाओं में दुनियाभर से 4463 दिव्यांग खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जबकि भारत के पैरा खिलाड़ियों ने इनमें से केवल 12 खेलों के 84 मुकाबलों में भाग लिया था और 29 पदक जीतकर अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए साबित कर दिखाया कि वे दिव्यांग, आधे–अधूरे और असहाय भले ही हैं लेकिन उनके भीतर हौंसलों की कोई कमी नहीं है। पेरिस पैरालंपिक खेलों में अवनी लेखरा, सुमित अंतिल, मरियप्पन थंगावेलु, शीतल देवी, नितेश कुमार, प्रवीण कुमार, नवदीप सिंह, हरविंदर सिंह, धरमबीर जैसे पैरा खिलाड़ी अपने यादगार प्रदर्शन के कारण नए नायक बनकर उभरे।

पेरिस ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या बेशक कम रही लेकिन शूटिंग, कुश्ती, हॉकी के अलावा कई अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए भविष्य में खेलों की दशा और दिशा सुधरने की उम्मीदें बलवती हुई हैं। मनु भाकर ने ओलंपिक में दो पदक जीतकर भारत की बेटियों को खेलों के प्रति आकर्षित होने का बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। ओलंपिक में मनु की सफलता देश की आधी आबादी के लिए बहुत प्रेरणादायी है और अब जरूरत है कि ऐसे सुअवसरों का लाभ उठाकर देशभर में विभिन्न खेलों में ऐसा माहौल बनाया जाए ताकि प्रतिभाशाली लड़कियां आगे आएं और आने वाले समय में तमाम अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में महिलाओं का डंका भी बजता दिखाई दे।

कुल मिलाकर, 2024 का साल खेलों के प्रति भारत और विश्व के दृष्टिकोण को बदलने वाला साबित हुआ। यह साल न केवल अनेक उपलब्धियों से भरा रहा बल्कि इसने भविष्य के लिए नई प्रेरणाएं और दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किए। खेल जगत को इस वर्ष से जो ऊर्जा और उत्साह मिला, वह आने वाले वर्षों में और भी ऊंचाईयां छूने में सहायक होगा। हालांकि भारत को खेल महाशक्ति बनने से पहले अभी काफी कुछ करने की जरूरत है।

इस साल नहीं चला स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला इस साल उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका और उनके बल्ले से 2024 में सभी प्रारूप मिलाकर सिर्फ एक शतक निकला। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भी सफल नहीं रहे हैं और पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़ दिया जाए तो उन्होंने रन बनाने के लिए संघर्ष किया है।

कोहली के लगातार विफल होने से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या भारतीय टीम का यह पूर्व कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय के बाद टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह देगा। हालांकि, टीम के पूर्व मुख्य कोच और कोहली के साथ लंबे समय तक काम कर चुके रवि शास्त्री का मानना है कि कोहली अभी तीन–चार साल और खेल सकते हैं। शास्त्री इस बात से भी परेशान नहीं है कि कोहली किस तरह से आउट हो रहे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में शतक के साथ की थी। कोहली का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर रहा है, ऐसे में सभी को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोहली पर्थ टेस्ट में शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए थे और उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा था। कोहली इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके और अगले तीन मैचों में रन बनाने में विफल रहे। पर्थ टेस्ट में शतक के बावजूद कोहली के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और उन्होंने सीरीज में अब तक 5, नाबाद 100, 7, 11, 3, 36 और 5 रन की पारियां खेली हैं। तीनों प्रारूप मिलाकर कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 2024 में कुल 32 पारियां खेली और 21.83 के औसत से 655 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकला। कोहली ने इस साल कुल 10 टेस्ट मैच खेले और 19 पारियों में 24.52 के औसत से 417 रन बनाए। इस साल टेस्ट में उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला और उनका

2024 में जड़ा सिर्फ एक शतक, औसत भी रहा खराब

निजी सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन रहा। कोहली ने इस साल सिर्फ तीन वनडे मैच खेले, लेकिन इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। कोहली ने तीन मैचों में 19.33 के औसत से कुल 58 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान उनके बल्ले से एक भी छक्का नहीं निकला, जबकि उन्होंने आठ चौके लगाए। कोहली ने इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में अर्धशतक लगाया था और टीम की जीत में भूमिका निभाई थी। ओवरऑल कोहली ने 2024 में कुल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 18 की औसत से कुल 180 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.20 का रहा है, जबकि सिर्फ एक बार 50+ स्कोर बना सके।

फिल्म बेबी जॉन, पुष्पा–2 पर भारी पड़ी फिल्म मार्को

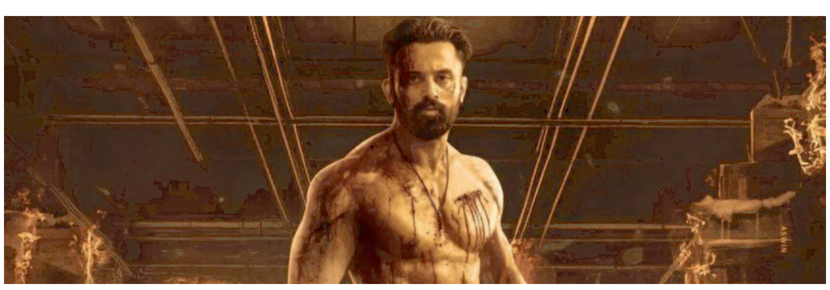

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक ओर 'पुष्पा 2' की कमाई पर ब्रेक लगता नजर नहीं आ रहा था तो वहीं दूसरी ओर इस साल की एक और बिग बजट फिल्म 'बेबी जॉन' बड़े पर्दे पर रिलीज हुई। फिल्म से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन फिल्म इन उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। वरुण धवन स्टारर फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में आई। पहले ही वीकेंड तक पहुंचते–पहुंचते ही फिल्म का डिब्बा गुल हो गया। फिल्म को दर्शक नहीं मिल रहे। इसके दर्शकों पर न सिर्फ 'पुष्पा 2' बल्कि एक छोटे बजट की धांसू फिल्म ने डाका डाला है। अपनी दमदार कहानी और एक्शन के दम पर 'मार्को' इससे काफी आगे निकल गई है। मार्को की कमाई भी ताबड़तोड़ तरीके से हो रही है। साउथ की इस फिल्म ने 'बेबी जॉन' की कमर तोड़ दी है। साउथ में पहले ही अपने पैर पसार चुकी इस फिल्म ने अब उत्तर भारत में कब्जा जमाना शुरू कर दिया और हिंदी बेल्ट में भी लोग इसे देखने पहुंच रहे हैं।

30 करोड़ के बजट में बनी 'मार्को' अपने बजट से ज्यादा की कमाई पहले ही कर चुकी है। 11 दिन में फिल्म ने भारत में 37 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। वहीं दुनिया भर में फिल्म की कमाई 68 करोड़ से भी ज्यादा है। मॉलीवुड की ये फिल्म अब बॉलीवुड की 'बेबी जॉन' को काफी महंगी पड़ रही है। उन्नी मुकुंदन स्टारर एक्शन थ्रिलर फिल्म मार्को बीती 20 दिसंबर को रिलीज हुई। उत्तर भारत में भी अब मार्को की मांग हो रही है। एक्टर उन्नी मुकुंदन ने अपने एक्स हैंडल पर बताया है कि हिंदी के लिए उनकी फिल्मों के 250 शोज और बढ़ गए हैं। ऐसा दर्शकों की डिमांड के चलते किया गया है। 'मार्को' सिनेमाघरों में धूम मचाने के बाद जल्द ओटीटी पर आएगी। कहा जा रहा है कि मेकर्स इसे कन्नड़, तमिल, मलयालम, तेलुगु और हिंदी में रिलीज करेंगे। फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। ये फिल्म 45 दिनों के थियेटर रन के बाद डिजिटल डेब्यू कर सकती है। इसके अनुसार ये फिल्म जनवरी के आखिरी हफ्ते या फरवरी के पहले हफ्ते में ओटीटी पर आ सकती है। बता दें, इस फिल्म का निर्देशन हनीफ अदेनी ने किया है और इसका निर्माण क्यूब्स एंटरटेनमेंट ने किया है। मार्को में उन्नी मुकुंदन, सिद्दीकी, जगदीश, सुदेव नायर और एंसन पॉल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

हार के बाद बदल जाएगी टीम इंडिया!

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पांचवां टेस्ट मैच। यानी लंबी सीरीज का आखिरी मुकाबला। अब इस मैच के शुरू होने में भी ज्यादा वक्त नहीं है। 30 दिसंबर को ही चौथा टेस्ट खत्म हुआ है और 3 जनवरी से अगला मुकाबला शुरू हो जाएगा, जो सिडनी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पिछले मुकाबले में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। जिसे शर्मनाक से ज्यादा कुछ नहीं कहा जा सकता। यही कारण है कि टीम इंडिया अब सीरीज में पीछे भी हो गई है और लंबे अर्से बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से जाने का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन सवाल ये है कि इतने घटिया खेल के बाद क्या कप्तान रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव करेंगे, या फिर हारी हुई टीम को ही फिर से मैदान में उतार देंगे।

सीरीज के चौथे मुकाबले में बड़ा फैसला ये लिया गया कि शुभमन गिल को बाहर बिठाया गया और उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर की एंट्री कराई गई। अभी तक अगर आपने सीरीज के सारे मैच फॉलो किए हों तो आपको पता होगा कि टीम इंडिया की कमजोर कड़ी बल्लेबाजी ही रही है। गेंदबाजों ने तो अपना काम करके दिया है। अब बॉलर अगर मौका बनाएं और कैच छोड़ दिया जाए तो इसमें कोई क्या ही करेगा। लेकिन इसके बाद भी भारतीय टीम एक बल्लेबाज कम के साथ मैदान में उतरी। माना कि सुंदर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन क्या वे शुभमन गिल से बेहतर बल्लेबाज है, ये सवाल पूछा जाना चाहिए। ऐसे वक्त में जब भारतीय टीम ने अच्छी गेंदबाजी की, वहां भी मोहम्मद सिराज ऐसे गेंदबाज रहे, जो अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

ज्यादा पीछे ना जाते हुए अगर चौथे ही मैच की बात करें तो मोहम्मद सिराज ने मैच की पहली पारी में 23 ओवर में 122 रन खर्च कर दिए और उन्हें एक भी सफलता हाथ नहीं लगी। वे इस पारी में भारतीय टीम के सबसे ज्यादा खर्चीले गेंदबाज रहे। दूसरी पारी में उन्होंने जरूर तीन विकेट अपने नाम किए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना दबदबा बना चुकी थी। वहीं जब मैच ड्रॉ कराने की बारी आई तो वे वहां भी कुछ नहीं कर पाए। ऐसे में हो सकता है कि मोहम्मद सिराज को इस सीरीज के आखिरी मैच की प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

अब सवाल ये है कि अगर मोहम्मद सिराज बाहर होंगे तो उनकी जगह किसी एंट्री होने की संभावना है। तो सबसे प्रबल दावेदार प्रसिद्ध कृष्णा हैं, जो लगातार टीम के साथ बने हुए हैं और अभी तक उन्हें खेलने का मौका नहीं दिया गया है। हो सकता है कि आखिरी टेस्ट में उन्हें मौका मिले और सिडनी के ग्राउंड पर वे कुछ कमाल कर जाएं।

टीम मैनजमेंट को ये भी तय करना होगा कि वे दो स्पिनर्स के साथ ही उतरना चाहेगी, या फिर एक ही स्पिनर काफी होगा। अगर दो स्पिनर्स चाहिए तो फिर टीम में और कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन अगर एक ही स्पिनर खेला तो हो सकता है कि शुभमन गिल की वापसी हो जाए। लेकिन आखिरी फैसला क्या हुआ है, इसका खुलासा 3 जनवरी को सुबह साढ़े चार बजे होगा, जब कप्तान रोहित शर्मा टॉस के लिए बीच मैदान पर आएंगे।

अर्जुन के समर्थन में आए पवन कल्याण

यूनिक समय, नई दिल्ली। चार दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुए हादसे पर आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण का बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले में सिर्फ अल्लू अर्जुन को निशाना बनाए जाने को सही नहीं माना है। साथ ही उन्होंने कहा कि कानून की नजर में सब बराबर हैं।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण ने संध्या थिएटर भगदड़ मामले में कहा है कि कानून हर किसी के लिए बराबर है। उन्होंने इस दौरान ये भी कहा कि पूरे मामले पर सिर्फ फिल्म के हीरो (अल्लू अर्जुन) को टारगेट करना ठीक नहीं है। 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में फिल्म 'पुष्पा 2' का प्रीमियर था, जिसमें अल्लू अर्जुन भी शामिल हुए थे। भीड़ इतनी ज्यादा हो गई थी कि वहां भगदड़ जैसे हालात हो गए। इस घटना में 35 साल की एक महिला की मौत हो गई थी और उनका 9 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था।

सोमवार को पवन कल्याण ने इस मामले पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "कुछ लोगों का कहना है कि तेलंगाना सरकार को इस मामले में नरम रुख अख्तियार करना चाहिए था, लेकिन कानून की नजर में किसी को तरजीह नहीं दी जा सकती है। कानून यही कहता है।" उन्होंने कहा कि मैंने असेंबली ऐलान किया हुआ है कि अगर मुझसे भी कोई गलती होगी तो मुझे भी सजा मिलनी चाहिए।

सिर्फ हीरो को टारगेट बनाया गया, ये सही नही

पवन कल्याण ने अल्लू अर्जुन का बचाव करते हुए कहा, "हुआ ये है कि पूरा इल्जाम हीरो पर डाल दिया गया है, उन्हें अकेले टारगेट बनाया गया। मुझे ये सही नहीं लगा। बाद में जो स्थिति बनी, उन्हें किसी ने सही से गाइड नहीं किया और जब एक बार केस फाइल हो गया, आप पुलिस पर सवाल खड़े नहीं कर सकते हैं।"

पवन कल्याण ने इस मौके पर पुष्पा 2 के मेकर्स की एक गलती की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, "उन्हें (फिल्ममेकर्स) करना ये चाहिए था कि वो अगले ही दिन पीड़ित के घर पर जाते। प्रोड्यूसर, डायरेक्टर या टीम से कोई और वहां जाकर सांत्वना देते और बताते कि वो उनके दुख में उनके साथ हैं। क्या उन्होंने ऐसा किया? ये मामला तब ऐसे नहीं बढ़ता।" संध्या थिएटर मामले में अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार भी किया गया था। हालांकि अगले दिन वो जमानत पर रिहा हो गए थे। अल्लू अर्जुन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले पर अपना पक्ष रखा था और खुद पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया था। उन्होंने कहा था कि जिस तरह से मेरे किरदार पर सवाल उठाए गए, उससे मुझे बहुत दुख पहुंचा।

जान्हवी कपूर के दिल को छू गई ये तमिल फिल्म

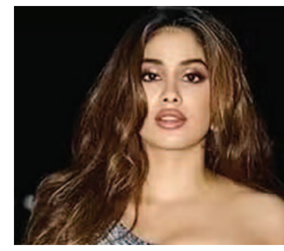

यूनिक समय, नई दिल्ली। जान्हवी कपूर ने हाल ही में तमिल फिल्म 'अमरण' को 'मूवी ऑफ द ईयर' करार दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए फिल्म को दिल को छूने वाला बताया।

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर के लिए यह साल यानी 2024 काफी व्यस्त रहा। इस साल उन्होंने तीन फिल्मों में अभिनय किया। वह साउथ की फिल्म 'देवराः पार्ट 1' में भी नजर आईं, जिसमें जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

इस बीच जान्हवी ने साल के आखिरी दिनों में अपना वक्त नेटफ्लिक्स पर तमिल फिल्म 'अमरण' देख कर बिताया। इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने जान्हवी पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। हाल ही में उन्होंने इसे देखने के बाद इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने लिखा, "थोड़ा देर से देख सकी, लेकिन यह कितनी जादुई, भावनात्मक और दिल को छूने वाली फिल्म है। इस साल का अंत इतनी भावनात्मक और दिल तोड़ देने वाली फिल्म को देखकर पर करना शानदार रहा।"

'अमरण' ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि ओटीटी पर भी लोगों को यह फिल्म काफी ज्यादा पसंद आ रही है। यह फिल्म राजकुमार पेरियासामी ने निर्देशित की है। वहीं, इसका निर्माण कमल हासन ने किया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी अगले साल सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगी। यह फिल्म शशांक खेतान निर्देशित कर रहे हैं। वहीं, वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ परम सुंदरी में भी दिखेंगी।

सुविचार

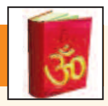

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएँ आपको कमजोर नही बल्कि मजबूत बनाने आती है!

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	03:22-02:24 तक	पक्ष	कृष्ण
नक्षत्र	उत्तरषाढ़ा	12:03-11:46 तक	माह	पौष
सूर्योदय		7:14 AM	चन्द्रोदय	08:27 AM
सूर्यास्त		5:31 PM	चंद्रास्त	06:58 PM
सूर्य राशि		धनु राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत			ब्रहम् मुहूर्त	05:38-06:26
त्योहार/व्रत		चंद्र दर्शन	विक्रम संवत्	2081
राहुकाल		12:22 PM–01:40PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtubeÜcom/uniquesamay

नए साल में घर की इन जगहों पर लगाएं हनुमान जी की तस्वीर

आपके सभी संकट होंगे दूर!

यूनिक समय, मथुरा। आने वाले साल को बेहतर और खुशहाल बनाने के लिए लोग बहुत से कार्य करते हैं। वहीं वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर इन जगहों पर हनुमान जी की तस्वीर लगाने से जहां पूरा साल सुख से बीतेगा। वहीं घर पर बजरंगबली की कृपा भी बनी रहेगी।

हनुमान जी को संकट मोचन कहा जाता है। मान्यता है कि बजरंग बली की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में कभी संकट नहीं आता है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। साल 2025 ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बहुत ही खास होने वाला है। अंक शास्त्र के अनुसार, साल 2025 के अंकों को जोड़कर मूलांक 9 बन रहा है। जिसके स्वामी ग्रह मंगल है और मंगल ग्रह के स्वामी हनुमान जी को माना जाता है। ऐसे में हनुमान जी की विशेष कृपा पाने के लिए इस साल वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की इन दिशाओं में बजरंगबली की मूर्ति या तस्वीर लगाना शुभ होगा।

वैसे तो वास्तु शास्त्र के अनुसार घर, बनाना और उसमें सामान रखने से अच्छा होता है।

इसके साथ ही घर में हनुमान जी की मूर्ति तथा तस्वीरे लगाने से सुख–शांति और धन दौलत की वृद्धि होती है। यही नहीं घर से सभी प्रकार के रोग दोष दूर होते है और परिवार के सदस्यों को आत्मविश्वास बढ़ता है।

नए साल में वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा में उड़ते हुए हनुमान जी की तस्वीर लगाएं। जिसमें उनके कंधों पर भगवान राम बैठे हो। ऐसा करने से साल 2025 में आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, साल 2025 में घर की पश्चिम दिशा में हनुमान जी की हाथों में ध्वज पकड़ खड़ी मुद्रा वाली तस्वीर लगाएं। इससे आपके रुके हुए काम पूरे होंगे साथ ही हर काम में सफलता हासिल होगी।

साल 2025 में बजरंगबली की वीर मुद्रा में खड़ी और हाथों में गदा लिए। ऐसे तस्वीर को घर की दक्षिण या दक्षिण पूर्व दिशा में लगाएं। ऐसा करने से खोया हुआ आत्मविश्वास वापस आएगा साथ ही साहस में भी वृद्धि होगी। घर में पुराने और गंभीर रोगों से छुटकारा पाना चाहते हैं। तो साल 2025 में हनुमान जी की संजीवनी बूटी पर्वत हाथ में लिए हुए तस्वीर को घर की उत्तर–पूर्व दिशा में लगाएं। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी तस्वीर लगाने से घर पर हनुमान जी की कृपा होगी और बीमारियां से भी मुक्ति मिलेगी।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, साल 2025 में हनुमान जी की बैठी मुद्रा वाली लाल रंग की तस्वीर को घर की उत्तर–पूर्व दिशा में लगाएं। ऐसा करने से क्रोध पर नियंत्रण बना रहेगा। इसके अलावा घर से नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है। साल 2025 में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति जरूर लगाएं। हनुमान जी की इस तस्वीर को घर के मुख्य द्वार या उत्तर–पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती और घर में सकारात्मकता बनाए रखता है।

मेन गेट से बेडरुम तक किस चीज के लिए कौन सी है सही दिशा!

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कौन सी दिशा में क्या होना चाहिए। इसका उल्लेख कई वास्तु ग्रंथों में मिलता है। भवन भास्कर और विश्वकर्मा प्रकाश सहित अन्य ग्रंथों में भी मिलता है। वास्तु के अनुसार एक आदर्श मकान का मेनगेट सिर्फ पूर्व या उत्तर दिशा में ही होना चाहिए। वहीं आपके घर का ढलान पूर्व, उत्तर या पूर्व–उत्तर (इशान कोण) की और होना शुभ माना गया है। इस तरह वास्तु के अनुसार घर के कमरे, हॉल, किचन, बाथरू म और बेडरूम एक खास दिशा में होने चाहिए। जिससे घर में वास्तुदोष नहीं होता और लोग सुखी रहते हैं।

पूर्व दिशा– पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा है। इस दिशा से सकारात्मक व ऊर्जावान किरणें हमारे घर में प्रवेश करती हैं। यदि घर का मेनगेट इस दिशा में है तो बहुत अच्छा है। खिड़की भी रख सकते हैं।

पश्चिम दिशा– आपका रसोईघर या टॉयलेट इस दिशा में होना चाहिए। रसोईघर और टॉयलेट पास– पास न हो, इसका भी ध्यान रखें।

उत्तर दिशा– इस दिशा में घर के सबसे ज्यादा खिड़की और दरवाजे होने चाहिए। घर की बालकॉनी व वॉश बेसिन भी इसी दिशा में होना चाहिए। यदि मेनगेट इस दिशा में है और अति उत्तम।

दक्षिण दिशा– दक्षिण दिशा में किसी भी प्रकार का खुलापन, शौचालय आदि नहीं होना चाहिए। घर में इस स्थान पर भारी सामान रखें। यदि इस दिशा में द्वार या खिड़की है तो घर में नकारात्मक ऊर्जा रहेगी और ऑक्सीजन का लेवल भी कम हो जाएग। इससे घर में क्लेश बढ़ता है।

उत्तर–पूर्व दिशा – इसे ईशान दिशा भी कहते हैं। यह दिशा जल का स्थान है। इस दिशा में बोरिंग, स्वीमिंग पूल, पूजास्थल आदि होना चाहिए। इस दिशा में मेनगेट का होना बहुत ही अच्छा रहता है।

उत्तर–पश्चिम दिशा – इसे वायव्य दिशा भी कहते हैं। इस दिशा में आपका बेडरूम, गैरेज, गौशाला आदि होना चाहिए।

दक्षिण–पूर्व दिशा– इसे घर का आग्नेय कोण कहते हैं। यह अग्नि तत्व की दिशा है। इस दिशा में गैस, बॉयलर, ट्रांसफॉर्मर आदि होना चाहिए।

दक्षिण–पश्चिम दिशा – इस दिशा को नैऋत्य दिशा कहते हैं। इस दिशा में खुलापन अर्थात खिड़की, दरवाजे बिलकुल ही नहीं होना चाहिए। घर के मुखिया का कमरा यहां बना सकते हैं। कैश काउंटर, मशीनें आदि आप इस दिशा में रख सकते हैं।

घर का आंगन – घर में आंगन नहीं है तो घर अधूरा है। घर के आगे और पीछे छोटा ही सही, पर आंगन होना चाहिए। आंगन में तुलसी, अनार, जामफल, मीठा या कड़वा नीम, आंवला आदि के अलावा सकारात्मक ऊर्जा देने वाले फूलदार पौधे लगाएं।

कलयुग में होगी अच्छाई की हार और बुराई की जीत

कलयुग में मचेगा हाहाकार 10 हजार साल होने पर होंगी यह विचित्र घटनाएं

यूनिक समय, नईदिल्ली। कलयुग को लेकर पुराणों में काफी वर्णन किया गया है। बाकी युगों की तुलना में कलयुग की आयु सबसे कम होगी। ब्रह्मवैवर्त पुराण में बताया गया है कि जब कलयुग के 10 हजार वर्ष बीत जाएंगे तो बहुत ही विचित्र तरह की घटनाएं घटेंगी। ब्रह्मवैवर्त पुराण में कलयुग को लेकर जिस तरह की भविष्यवाणियां की गई हैं उसे जानकर आप हैरान हो जाएंगे। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, कलयुग को लगभग 50126 वर्ष बीत चुके हैं। जैसे जैसे कलयुग आगे बढ़ेगा और 10 हजार वर्ष बीत जाएंगे। संसार में जिस तरह की घटनाएं घटेंगे वह आपको स्तंभ कर सकती हैं। आइए जानते हैं कलयुग के 10 हजार वर्ष बाद क्या होने वाला है।

कलयुग में विलुप्त हो जाएंगे गंगा, सरस्वती और तुलसी– ब्रह्मवैवर्त पुराण में कलयुग को लेकर बहुत ही चौकाने वाली बाते बताई गई हैं। पुराण में बताया गया है कि जब कलयुग के 5 हजार वर्ष बीत जाएंगे। तो सबसे पहले गंगा, तुलसी और सरस्वती धरती से विलुप्त होने लगेंगी। ये तीनों बैकुंठ धाम में चले जाएंगी। जब ये तीनों देवियां धरती से वापस जाएंगे तो उनके साथ वृंदावन और काशी को छोड़कर बाकी सारे तीर्थ भी इनके साथ वापस बैकुंठ चले जाएंगे।

कलयुग में भगवान जगन्नाथ धरती से चले जाएंगे– इसी के साथ जब कलयुग का 10 हजार वर्ष बीतेंगे तो शालिग्राम, श्री हरि की मूर्ति, पुरुषोत्तम भगवान जगन्नाथ धरती को छोड़कर अपने धाम को पधार जाएंगे। इसी के साथ लोग पूजा पाठ करना बंद कर देंगे। लोग उपवास

करना बंद कर देंगे और ग्राम देवी देवता का पूजन बंद कर देंगे।

कलयुग में लोग करेंगे मांस मंदिरा का अधिक सेवन– कलियुग के 10 हजार वर्ष बीत जाने के बाद लोग मांस मदिरा का अधिक सेवन करने लगेंगे। लोग झूठ का सहारा लेंगे। पुरुष और स्त्री एक दूसरे को धोखा देने लगेंगे।

कलयुग में अपने परिवार से बैर रखेंगे लोग– कलयुग जैसे जैसे अपने चरम पर पहुंचेगा लोग अपने परिवार के लोगों से अपरिचित व्यक्तियों की तरह व्यवहार करने लगेंगे। भाई भाई से बात नहीं करेगा। बहन भाई से कोई संबंध नहीं रखेगी। संबंधों में मधुरता खत्म होती जाएगी। सगे रिश्ते भी एक दूसरे का साथ नहीं देंगे।

कलयुग में कम होगी अनाज की पैदावार– कलियुग के 10 हजार वर्ष के बाद जमीन में अनाज की पैदावार नहीं होगी। लोग बुरे शब्दों का प्रयोग करेंगे। लोगों के व्यवहार में मिठास नहीं रहेगी। कलयुग में टैक्स से परेशान हो जाएंगे लोग

कलयुग में टैक्स से परेशान हो जाएंगे लोग– कलयुग में लोगों से अधिक कर (टैक्स) वसूला जाएगा। लोग कर से परेशान हो जाएंगे। लोग हिंसक निर्दय और मनुष्य घाती हो जाएंगे। लोगों में नास्तिकता अधिक हो जाएगी। लोगों की आयु भी कम हो जाएगी। कलियुग में व्यक्ति रोग से पीड़ित रहेंगे।

अगर आपको भी बनना है एक आध्यात्मिक व्यक्ति, तो जरूर फॉलो करें ये टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। अधिक आध्यात्मिक (स्पिरिचुअल) व्यक्ति बनने की यात्रा शुरू करना एक व्यक्तिगत और परिवर्तनकारी प्रयास है जो धार्मिक संबद्धता से परे है और आत्म–खोज और आंतरिक शांति के दायरे में उतरता है। आध्यात्मिकता की खोज उद्देश्य, समझ और सद्भाव की गहरी भावना से जुड़ने का मार्ग प्रदान करती है. आध्यात्मिक विकास की खोज व्यक्तियों को अपने अस्तित्व के गहन आयामों का पता लगाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे स्वयं, दूसरों और ब्रह्मांड के साथ संबंध की एक बड़ी भावना को बढ़ावा मिलता है।

अध्यात्मिक व्यक्ति बनने के लिए टिप्स– अध्यात्म की यात्रा प्रत्येक व्यक्ति के लिए अद्वितीय है और इसमें शामिल कदम असंख्य रास्तों की तरह ही विविध है जो जीवन जीने के अधिक आध्यात्मिक तरीके की ओर ले जाते हैं। अगर आप भी एक आध्यात्मिक व्यक्ति बनना चाहते हैं तो यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं जिन्हें अपनाकर आप अध्यात्म की ओर बढ़ सकते है।

अपनी भावनाओं को स्वीकार करें– आध्यात्मिक यात्रा शुरू करने में मानवीय भावनाओं के पूरे स्पेक्ट्रम को स्वीकार करना और अपनाना शामिल है, यहां तक कि असुविधाजनक भावनाओं को भी अधिक खाने, अत्यधिक शराब पीने या अधिक काम करने जैसी सुन्न करने वाली प्रक्रियाओं से बचना महत्वपूर्ण है।

चाहे दुख हो या खुशी, अपने आप को वास्तविक भावनाओं को

अनुभव करने और व्यक्त करने की अनुमति देना आत्म–संबंध और गहरी आध्यात्मिक समझ की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शोर को शांत करें– डिजिटल अट्रैक्शन और निरंतर तुलना के खेल से भरी दुनिया में, आध्यात्मिक संबंध खोजने के लिए शोर को कम करने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर कम समय बिताने और सार्थक, आमने–सामने के कनेक्शन में अधिक समय बिताने से उपस्थिति और आत्म–जागरूकता की वास्तविक भावना को बढ़ावा मिलता है। तुलना के चक्र से मुक्त होने से व्यक्तिगत आध्यात्मिकता की अधिक प्रामाणिक खोज की अनुमति मिलती है।

अपने उद्देश्य और मूल्यों को जानने के लिए गहराई से खोजें–जीवन के अर्थ और उद्देश्य पर चिंतन आध्यात्मिक यात्रा के लिए मौलिक है। आत्म–जागरूकता को मजबूर करने वाले आत्मनिरीक्षण प्रश्नों में संलग्न होने से किसी के मूल्यों और उद्देश्य की गहन समझ हो सकती है। स्वयं के इन पहलुओं में गहराई से उतरकर, व्यक्ति एक आध्यात्मिक गुणवत्ता को बढ़ावा देते हैं, जो आत्म–खोज की उनकी चल रही यात्रा की नींव बनाता है।

मन और आत्मा का पोषण करना– आध्यात्मिक साहित्य पढ़ना दैनिक ध्यान का पूरक है, आध्यात्मिक पथ पर अंतर्दृष्टि, ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह अभ्यास न केवल ज्ञान का विस्तार करता है बल्कि प्रेरणा और प्रतिबिंब के स्त्रोत के रूप में भी कार्य करता है, जो समग्र आध्यात्मिक विकास और समझ में योगदान देता है।

प्रकृति में समय बिताएं- जबकि शहरी जीवन विशाल प्राकृतिक परिदृश्यों तक पहुंच को सीमित कर सकता है, बाहर समय बिताना, यहां तक कि शहरी पार्कों या हरे स्थानों में भी, एक मूल्यवान आध्यात्मिक अभ्यास है।

प्रकृति के साथ सचेत जुड़ाव, परिवेश की सराहना, और तत्वों से जुड़ाव पर्यावरण के आकार या स्थान की परवाह किए बिना शांति और आध्यात्मिक पोषण की भावना में योगदान देता है।

भारत की संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले कर रहे दुष्प्रचार

सबको मिलेगा करारा जवाब : सीएम

यूनिक समय, प्रयागराज। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी पूजनीय अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दंडीबाड़ा, खाकचौक एवं अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि प्रयागवाल व अन्य नई संस्थाओं को आवंटन का कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा और सुविधा को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताया है। उन्होंने कहा है कि महाकुम्भ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा–सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, अग्निशमन, घाट सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा तंत्र को और पुख्ता किया जाना आवश्यक है। सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को 247 एक्टिव रहना होगा। इंटेलिजेंस को और मजबूत करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के दौरान एंटी ड्रोन सिस्टम के प्रभावी इस्तेमाल के निर्देश भी दिए हैं। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ की थीम पर चल रहीं फर्जी वेबसाइट और एप के चिन्हांकन और कार्रवाई के साथ साथ आमजन को इस बारे में जागरूक करने की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कतिपय अराजक संगठनों/व्यक्तियों द्वारा महाकुम्भ के नाम पर फर्जीवाड़ा कर वसूली करने का दुस्साहस किया जा रहा है, पुलिस द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। मंगलवार को महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने एक–एक कर सभी विभागों से उनके कार्यों की प्रगति का विवरण लिया। मुख्यमंत्री ने सभी स्ट्रीट वेंडर, ऑटो रिक्शा चालकों, ई–रिक्शा चालकों के पुलिस सत्यापन तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिये, साथ ही प्रयागराज की ओर आने वाले सभी अंतर्जनपदीय मार्गों पर ट्रैफिक प्रबंधन के व्यवस्थित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया पर फेक न्यूज पर कड़ाई से लगाम लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी पूजनीय अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दंडीबाड़ा, खाकचौक एवं अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि प्रयागवाल व अन्य नई संस्थाओं को आवंटन का कार्य जारी है। सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि पूजनीय अखाड़ों, साधु–संतों की भावनाओं का यथोचित सम्मान किया जाना चाहिए। मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी संतों से सतत–संपर्क–संवाद बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने अगले तीन दिन में अरैल क्षेत्र में नया स्नान घाट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 550 शटल बसें महाकुम्भ में चलाई जानी हैं, इन्हें 05 जनवरी से क्रियाशील कर दिया जाए। किसी चालक/परिचालक को लगातार 08 घंटे से अधिक की ड्यूटी न दी जाए। इसके अलावा, दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के आवागमन के लिए अतिरिक्त प्रबंध भी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी 06 प्रमुख स्नान पर्वों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी, इस संबंध में सभी प्रबंध कर लिए जाएं।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि महाकुम्भ के लिए तैनात पूरा पुलिस बल और सभी सफाई कर्मचारी 03 जनवरी तक प्रयागराज में मुस्तैद हो जाएंगे। सभी डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती हो गई है।

मुख्यमंत्री ने अवशेष कार्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। स्वच्छ महाकुम्भ–स्वच्छ प्रयागराज की परिकल्पना को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी प्रयागराज वासियों, संतगणों, आम नागरिकों से सहयोग का आह्वान किया है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महाकुम्भ से पहले पूरा प्रयागराज अतिक्रमण मुक्त हो, इसके लिए अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए।

गौरी शंकर मंदिर में रंगाई पुताई का काम शुरू, सुरक्षा बल तैनात

यूनिक समय, मुरादाबाद। मुरादाबाद में 1980 में हुए सांप्रदायिक दंगे के बाद पिछले करीब 44 वर्षों से मुस्लिम बाहुल्य इलाके मे बंद पड़े गौरी शंकर मंदिर की कल साफ सफाई कराने के बाद आज भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ रंगाई पुताई का कार्य शुरू करा दिया गया है। मंदिर को भगवा रंग से रंगा जा रहा है साथ ही गर्भगृह के मुख्य दरवाजे का नाप भी लिया गया। इसके बाद उसमें कपाट लगाए जाएंगे। इसके अलावा मंदिर में पत्थर व टाइल्स का कार्य भी कराया जाएगा।

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश अनुसार बंद पड़े गौरी शंकर मंदिर को खुलवाकर उसकी साफ सफाई करा दी गई है। इसके बाद उसकी रंगाई पुताई का कार्य शुरू हो गया है। पत्थर व टाइल्स की जैसी आवश्यकता होगी उसे पूरा करने के बाद स्थापना और अनुष्ठान कराकर पूजा पाठ के लिए जन मानस को सौंप दिया जाएगा।

बता दें कि संभल, काशी और कानपुर के बाद अब मुरादाबाद में एक मंदिर मिला है जोकि कथित तौर पर 44 साल से बंद था। सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा फिर से खोल दिया गया। खुदाई के दौरान प्रशासन को नंदी, हनुमान और एक शिव लिंग की क्षतिग्रस्त मूर्तियाँ मिलीं। चर्चा में यह बात सामने आई कि 1980 के दंगों के दौरान इस मंदिर के पुजारी की हत्या कर दी गई थी और भीड़ ने मूर्तियां तोड़ दी थीं। तभी से मंदिर बंद था। पुजारी के पोते ने सात दिन पहले मुरादाबाद के डीएम अनुज सिंह के कार्यालय में एक आवेदन देकर मंदिर को फिर से खोलने का अनुरोध किया था।

शनिवार को पुलिस–प्रशासन की टीम नागफनी क्षेत्र के झब्बू का नाला मोहल्ले में पहुंची, जहां मंदिर स्थित है। देखा गया कि दंगों के बाद मंदिर के गर्भगृह को दीवार से सील कर दिया गया था। सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच इन दीवारों को ढहा दिया गया, जिससे मंदिर की संरचना का पता चल गया। एसडीएम ने कहा कि खुदाई के दौरान मंदिर की दीवार पर हनुमान की एक मूर्ति दिखाई दी। जमीन पर शिवलिंग के लिए जगह थी, लेकिन वह गायब है। शिवलिंग स्थल के पास ही नंदी की मूर्ति स्थापित थी।

पूर्व मंत्री के बेटे ने हाथ की नस काटी

खुद को कमरे में किया बंद, पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बचाई जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बसपा सरकार में मंत्री रहे राम लखन वर्मा के बेटे की पुलिस ने जान बचाई। बताया जा रहा है कि नशे की हालत में पूर्व मंत्री के बेटे उपकार सिंह पटेल ने घर के भीतर बंद कर दी जान देने की कोशिश।

यूपी की राजधानी लखनऊ में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बसपा सरकार में मंत्री रहे राम लखन वर्मा के बेटे की पुलिस ने जान बचाई। बताया जा रहा है कि नशे की हालत में पूर्व मंत्री के बेटे उपकार सिंह पटेल ने घर के भीतर बंद कर दी जान देने की कोशिश। उपकार ने हाथ की नस काटकर अपने आपको कमरे में कैद कर लिया। सूचना मिलने पर हजरतगंज कोतवाली से पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने उपकार सिंह पटेल को बातों में उलझाकर कमरे के दरवाजा तोड़ा। आनन–फानन में पुलिस ने घायल उपकार को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में एडमिट कराया। जानकारी के मुताबिक, नशे के चलते उपकार सिंह पटेल ने यह कदम उठाया था, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते पूर्व मंत्री के बेटे की जान बच गई। पूर्व मंत्री राम लखन वर्मा का आवास हजरतगंज कोतवाली क्षेत्र के डालीबाग में है।

काशी में विदेशी पर्यटकों ने की गंगा की सफाई

यूनिक समय, वाराणसी। नमामि गंगे के कार्यकर्ताओं के साथ विदेशी पर्यटकों ने भी गंगा की सफाई की। इसके साथ ही गंगा आरती में भी शामिल हुए। पर्यटकों ने गंगा सफाई अभियान के बारे में जाना और इसकी सराहना भी की।

वर्ष के अंतिम दिन मंगलवार को नमामि गंगे ने गंगा पार स्वच्छता की चेतना जागृत करके नए साल में 'गंगा की पुकार' सुनने का आवाह्न किया। इस दौरान विदेशियों ने भी गंगा की सफाई में अपना योगदान दिया। इसके साथ ही इस अभियान के बारे में जाना।

नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने दशाश्वमेध घाट के सामने गंगापार जाकर काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला के नेतृत्व में गंगा स्वच्छता और संरक्षण के लिए जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी 2025 वर्ष के दृष्टिगत गंगा को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाना था। गंगा पार पड़ी गंदगी को साफ करके जनता से यह अपील की गई कि नए वर्ष के उत्साह के दौरान गंगा पार या फिर घाटों पर जाकर गंदगी न करें, जिसमें युवा अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला, महानगर सहसंयोजक बीना गुप्ता, शौर्य जायसवाल, अजीत गुप्ता, आकृति गुप्ता, धीरज, नारायण प्रसाद ने भागीदारी की।

अफसरों के साथ मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही है सरकार: शिवपाल

यूनिक समय, लखनऊ। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने अयोध्या में कहा कि हमारी सरकार में कुंभ के आयोजन में 600 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। यह सरकार अफसरों के साथ मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही है।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सपा कार्यकर्ता ललित यादव के माता की तेरहवीं के कार्यक्रम में शिरकत की। अयोध्या पहुंचे शिवपाल यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा को निशाने पर रखा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से अलग होने की अटकलों के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि जनता भाजपा से परेशान है। भाजपा में नाराजगी भी है। जनता जब दुखी होगी, तब निश्चित रूप से भाजपा सरकार हटेगी। वन नेशन वन इलेक्शन पर कहा कि जब भी चुनाव होंगे, भाजपा हर जगह से हारेगी। इसलिए जनता को बहकावे के लिए इस तरह के बिल ला रहे हैं। जितने भी चुनाव हुए क्या एक साथ भाजपा ने चुनाव करवा लिए हैं, जब कभी अल्पमत में सरकार होगी जो कि किसी भी प्रदेश में अल्पमत सरकार आ सकती है तो फिर क्या होगा। यह तो भाजपा के लोग हैं केवल बेईमानी करते हैं। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि बहुत दिनों से कुंभ लग रहा है। जब हमारी सरकार थी हमने भी व्यवस्थाएं की, हम लोगों ने 600 करोड़ रुपए खर्च किए थे। भाजपा सरकार अधिकारियों से मिलकर कुंभ के बजट का आनंद ले रही है। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर शिवपाल यादव ने कहा कि जितने भी समाजवादी पार्टी के वोट हैं वो काटे जा रहे हैं। ये बेईमान सरकार है। भगवान राम के नाम पर कितने–कितने घटिया काम कर रहे हैं, जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां की जनता ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया था, उसी तरह से मिल्कीपुर में भी जनता भाजपा को हराएगी।

ज्वेलर की दुकान का ताला तोड़कर आठ लाख की चोरी

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर इलाके में एक ज्वेलर की दुकान में आठ लाख रुपये की चोरी से हड़कंप मच गया। चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर इलाके में पुष्पांजलि ज्वेलर्स की दुकान में लाखों की चोरी से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि शटर का ताला तोड़कर करीब आठ लाख की चोरी की गई है। मामले की जांच की जा रही है। शटर का ताला टूटा हुआ है और दुकान के शीशे भी टूटे हुए हैं।

सार संक्षेप

दिल्ली में राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के लिए नया आदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के नए निर्देशों के अनुसार, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन आज रात यानी 31 दिसंबर 2024 की रात 12 बजे तक यात्रियों के लिए खुला रहेगा, हालांकि गेट नंबर 5 और 6 बंद रहेंगे। यह कल जारी की गई पूर्व अधिसूचना में संशोधन है, जिसके अनुसार राजीव चौक स्टेशन को आज रात 8 बजे से यात्रियों के लिए बंद किया जाना था, लेकिन अब इसे रात 12 बजे बंद किया जाएगा।

संभल की शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। संभल की शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट को जनवरी के पहले सप्ताह में चंदौसी कोर्ट में पेश किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा चुका है। जिसके बाद इसे 6 जनवरी से पहले कोर्ट में पेश करने की कवायद है, जिसके लिए 2 जनवरी या 3 जनवरी दोनों में से कोई भी तारीख हो सकती है। क्योंकि 6 जनवरी से पहले यही दोनों तारीख कोर्ट में कार्यदिवस की हैं।

उज्जैन में पिकअप पलटने से तीन की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उज्जैन में मंगलवार सुबह एक पिकअप पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है और 14 घायल है, इनमें से 5 लोगों की हालत गंभीर है। गंभीर घायलों को जिला अस्पताल से रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज महिदपुर में चल रहा है। बताया जा रहा है कि पिकअप में 24 लोग सवार थे। चालक फरार है। हादसा महिदपुर तहसील के डेलची गांव में सुबह करीब 8:30 बजे हुआ। पिकअप मजदूरों को लेकर रतलाम जा रही थी। स्पीड तेज होने के चलते पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। मजदूर नीचे दब गए। मौके पर मौजूद लोग मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई।

देश के पहले ग्लास ब्रिज का तमिलनाडु में उद्घाटन

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के पहले ग्लास ब्रिज का तमिलनाडु में उद्घाटन हुआ है। यह ब्रिज 2 विद्वानों के स्मारकों के बीच समुद्र के ऊपर बना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार शाम को कन्याकुमारी के तट पर विवेकानंद रॉक मेमोरियल और 133 फीट ऊंची तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ने वाले 77 मीटर लंबे और 10 मीटर चौड़े कांच के पुल का उद्घाटन किया। राज्य सरकार द्वारा 37 करोड़ रुपये की लागत से इस ब्रिज को बनाया गया और दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि द्वारा तिरुवल्लुवर प्रतिमा के अनावरण की रजत जयंती के अवसर पर इस ब्रिज का अनावरण किया गया।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाएंगे। अदालत ने उन्हें महाभियोग लगाकर निलंबित किया है। हालांकि वारंट जारी कर दिया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि पुलिस इस पर अमल कर पाएगी या नहीं। राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने पहले 3 तलाशी वारंटों का पालन करने से इनकार कर दिया है।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में महागठबंधन का राजभवन मार्च

पुलिस ने रोका तो सड़क पर ही बैठ गए प्रदर्शनकारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गांधी मैदान के आसपास दो दिन पहले जो हुआ, अब राजभवन मार्च के समय शायद नहीं हो सकेगा। सीएम नीतीश कुमार भी लौट आए हैं और नए एसएसपी ने भी पदभार ले लिया है। देखना होगा कि आंदोलन कितना हो पाता है?

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है।

मंगलवार दोपहर महागठबंधन के नेताओं ने फिर से अभ्यर्थियों के समर्थन में सड़क पर उतर गए। पटना में राजभवन मार्च के लिए भाकपा माले और कांग्रेस के कार्यकर्ता विधानसभा के पास जमा हुए। इसके बाद नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वह राजभवन की ओर बढ़ ही रहे थे कि निर्वाचन आयोग के पास पटना पुलिस ने मार्च को रोक दिया। इसके बाद महागठबंधन के विधायकों ने विरोध जताया। देखते ही देखते विधायकों और पुलिस की झड़प होने लगी। फिलहाल नाराज विधायक रोड पर बैठ कर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। विधायकों के हाथों में परीक्षा रद्द करें और लाठीचार्ज के विरोध वाले पोस्टर हैं।

माले विधायक संदीप सौरभ ने पुलिस से पूछा कि आप हमलोगों को किस नियम के आधार पर राज्यपाल से मिलने से रोक रहे हैं। नियम दिखाइए कि विधायक राज्यपाल से नहीं मिल सकते हैं? इसके बाद पुलिस ने उन्हें आगे जाने दिया। इस दौरान पुलिस से उनकी मामूली झड़प भी हुई।

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

कहा— पूरा साल बेहद खराब रहा, लोग मुझे क्षमा करें

यूनिक समय, मथुरा। मणिपुर में बीते साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है।

मणिपुर हिंसा को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन–चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

मणिपुर में बीते साल मई से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भारी दबाव में है और बीरेन सिंह को पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही है।

एनडीए की सहयोगी एनपीपी ने भी मणिपुर सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है और नेतृत्व परिवर्तन करने की मांग की है। अब साल की समाप्ति पर मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह पूरा साल खराब रहा। नए साल 2025 में शांति की उम्मीद है।

रेलवे ट्रैक उड़ाने की एक और साजिश

पटरी के पास मिला गैस से भरा सिलेंडर, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। पुणे के उरुली कंचन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर गैस से भरा सिलेंडर मिला। इस घटना का खुलासा लोको पायलट की सतर्कता से हुआ।

पुणे के उरुली कंचन क्षेत्र में रात में रेलवे ट्रैक पर गैस से भरा सिलेंडर रखकर दुर्घटना करने की कोशिश की गई। इस घटना का खुलासा लोको पायलट की सतर्कता से हुआ। इस संबंध में कंचन पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह घटना उस वक्त सामने आई जब लोको पायलट शरद शाहजी वाल्के (उम्र 38 वर्ष) रेलवे लाइन का निरीक्षण कर रहे थे। रविवार रात करीब 11 बजे जब वे ट्रैक पर निरीक्षण कर रहे थे, तब उन्होंने देखा कि रेलवे ट्रैक के पास प्रिया गोल्ड कंपनी का गैस सिलेंडर रखा हुआ था। जब उन्होंने सिलेंडर उठाने की कोशिश की तो देखा कि इस सिलेंडर में गैस (वजन करीब 3900 किलो) थी।

लोको पायलट ने तुरंत सिलेंडर को रेलवे ट्रैक से दूर हटा दिया और संभावित दुर्घटना को विफल कर दिया। शरद वाल्के ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद उरुली कंचन पुलिस ने रेलवे की धारा 150, 152 के तहत अज्ञात व्यक्ति पर दुर्घटना का प्रयास करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना स्थल का दौरा किया। दौंड डिवीजन के उपविभागीय पुलिस अधिकारी बापुराव दादास और उरुली कंचन पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक शंकर पाटिल ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बीते महीने उत्तर प्रदेश के कानपुर से ऐसी घटनाएं सामने आई थीं, जहां ट्रेन को उड़ाने की साजिश से पटरी पर गैस सिलेंडर रखा गया था।

यमन में भारतीय नर्स को मिली मौत की सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। यमन में भारतीय नर्स को मौत की सजा दी गई है। इस घटना पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया है और हरसंभव मदद करने की बात कही है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इस पूरे मामले पर अपना रुख सामने रखा है और नर्स के लिए हरसंभव मदद करने की बात कही है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह यमन में मौत की सजा का सामना कर रही एक भारतीय नर्स के मामले में जरूरी विकल्प तलाशने के लिए हर संभव मदद कर रहा है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने मंगलवार को मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा– "हम यमन में निमिषा प्रिया की सजा के बारे में जानते हैं। हम समझते हैं कि प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्प तलाश रहा है। सरकार इस मामले में हरसंभव मदद कर रही है।"

घमासान के बीच केजरीवाल ने शुरू की पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मरघट वाले बाबा के मंदिर से पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना शुरू की। केजरीवाल ने बाबा के दर्शन कर योजना की शुरुआत की।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना की शुरुआत की। केजरीवाल ने मरघट वाले बाबा के दर्शन कर इस योजना को शुरू किया। मंगलवार को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कश्मीरी गेट स्थित मरघट वाले बाबा मंदिर गए। यहां उन्होंने पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान केजरीवाल ने खुद पुजारी का रजिस्ट्रेशन किया। पहले हनुमान मंदिर से योजना शुरू करने का प्लान था।

इस दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने रजिस्ट्रेशन रोकने की कोशिश की। लेकिन भक्त को भगवान से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। इस योजना के अनुसार, दिल्ली में आप की सरकार पुजारी और ग्रंथियों को 18 हजार रुपये की सैलरी देगी। सोमवार को ही अरविंद केजरीवाल ने इस योजना का ऐलान किया था। यहां के महंत का आज जन्मदिन है। केजरीवाल ने उनके साथ जन्मदिन भी मनाया।

इससे पहले, दिल्ली सरकार द्वारा

मरघट वाले बाबा के किए दर्शन

पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देने की घोषणा पर भाजपा की ओर से सवाल उठाने पर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि उनका हाथ 22 राज्यों में किसी ने नहीं पकड़ा है। वे पीएम मोदी से कहें कि 22 राज्यों में ये योजना लागू करें। पुजारियों और ग्रंथियों के खिलाफ भाजपा के लोग क्यों आ गए हैं? आप हमसे काम पर प्रतियोगिता करें, काम कर नहीं पाते हैं विरोध करने पहले आ जाते हैं।

मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने केजरीवाल द्वारा मंदिर और गुरुद्वारा पुजारियों को 18,000 रुपये मासिक मानदेय देने की घोषणा को आप का एक और "झूठा वादा" करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री जानते हैं कि उनका "राजनीतिक जीवन" खत्म होने वाला है। उन्होंने कहा कि हाल ही तक उनकी सरकार धार्मिक स्थलों के बाहर शराब की दुकानें खोल रही थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आप सरकार ने इमामों को भी इतनी ही राशि देने का वादा किया था, लेकिन 17 महीने से उन्हें भुगतान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया, "भारत में उनसे बड़ा धोखेबाज कोई नहीं हुआ।"

मुंबई में बेस्ट की इलेक्ट्रिक बस से निकला धुआं

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के बाइकुला इलाके में मंगलवार की दोपहर बेस्ट की एक इलेक्ट्रिक बस में आग लग गई। हालांकि, सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बस का निर्माण ओलेक्ट्रा ने किया था।

बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा संचालित 'बेस्ट' की एक लीज वाली इलेक्ट्रिक बस की ओवरहेड बैटरी से धुआं निकलने लगा। इसके बाद यात्रियों को बाइकुला इलाके में उतारकर बस को खाली किया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। बस मार्ग संख्या–126 पर चल रही थी और जजामाता उद्यान की ओर जा रही थी। घटना आज दोपहर

करीब 1.15 बजे बाबासाहेब आंबेडकर रोड पर हुई। एक सूत्र ने बताया कि हो सकता है कि बस किसी निर्माणाधीन पुल के ऊपरी हिस्से से टकराई हो। लेकिन धुएं की सही वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

अधिकारी ने बताया कि बस का निर्माण ओलेक्ट्रा ने किया था। इस महीने की शुरुआत कुर्ला में एक बड़ा बस हादसा हुआ था। इस बस का निर्माण भी इसी कंपनी ने किया था।

सुरक्षित बाहर निकाले गए सभी यात्री

बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) अपनी ज्यादातर ई–बसें निजी ठेकेदारों से वेट–लीज आधार पर किराए पर लेती है।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि एक फोन कॉल आने के बाद दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। अधिक जानकारी का इंतजार था। इससे पहले सोमवार को बांद्रा स्टेशन (पूर्व) से मुलुंड (पूर्व) के बीच मार्ग संख्या–303 पर चलने वाली धारावी डिपो की एक बेस्ट बस में आग लग गई थी। आग लगने की यह घटना घाटकोपर के गांधीनगर जंक्शन पर हुई।

बिहार के कैमूर में शराब की खेप जब्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के कैमूर में शराब की खेप पकड़ी गई है। नववर्ष में शराब तस्करों के मंसूबों पर उत्पाद विभाग ने पानी फेर दिया है। क्योंकि विभाग की टीम ने ट्रक के डाला में छिपा कर रखी गई अंग्रेजी शराब जब्त की है और ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। लगभग 1000 लीटर शराब जब्त की गई है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053